RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या

एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन

पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 256

पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, बुधवार, 10 जनवरी, 2024

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

शराब के नशे में ट्रक चालक ने कई वाहनों को रौंदा, तीन की मौत, कई की हालत नाजुक

आगरा। आगरा में भीषण हादसा हो गया। यहां शराब के नशे में ट्रक चालक ने एक दर्जन वाहनों को रौंद दिया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार की शाम भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां शराब के नशे में एक ट्रक चालक ने पांच कारों सहित एक दर्जन से अधिक वाहनों को रौंद दिया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि कई अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है। हादसा सिंकदरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-2 पर गुरुद्वारा गुरू का ताल के पास हुआ। यहां एक ट्रक चालक शराब के नशे में ट्रक दौड़ा रहा था। सिंघाना से सिंकदरा तक एक दर्जन वाहनों को कुचल दिया। हालांकि लोगों की सूचना पर पुलिस पीछा कर रही थी। जब तक पुलिस उसे रोकती तब तक उसने लोगों की जान ले ली।

त्रिपुरा में 1.90 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का नशीला पदार्थ जब्त, चार गिरफ्तार

अगरतला। एक महत्वपूर्ण मादक द्रव्य विरोधी अभियान में, त्रिपुरा पुलिस, बीएसएफ, असम राइफल्स और सीआरपीएफ सहित त्रिपुरा में अधिकारियों ने तीन अलग-अलग कार्रवाई की। इन कार्रवाइयों में 1.90 करोड़ के मादक पदार्थों के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सोमवार-मंगलवार की रात को त्रिपुरा में सीमा पार तस्करी से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों में लगे बीएसएफ ने त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले के सोनामुरा उप-मंडल में 39 लाख के बाजार मूल्य के साथ 7800 याबा टैबलेट को जब्त कर किया। इसके अतिरिक्त छह मवेशियों को बचाया गया और 620 किलोग्राम चीनी और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं जब्त की गईं, जिनकी कुल कीमत 50.74 लाख रुपये थी।

संगीत सम्राट उस्ताद राशिद खान का निधन

55 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी

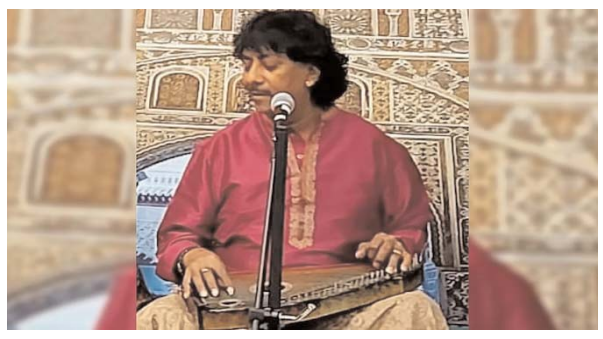

नई दिल्ली। शास्त्रीय गायक उस्ताद राशिद खान नहीं रहे। मंगलवार को कोलकाता के एक अस्पताल में उन्होंने 55 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। वे प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे। दिसंबर से उनकी सेहत बिगड़ने लगी थी। 23 दिसंबर को खबरें आई थीं कि उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पिछले कुछ दिनों से वे आईसीयू में भर्ती थे और वेंटिलेटर पर थे। शुरुआत में उनका इलाज मुंबई के टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल में चला, लेकिन बाद में वे कोलकाता लौट आए थे।

उस्ताद राशिद खान का जन्म उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुआ। उन्होंने तालीम अपने नाना उस्ताद निसार हुसैन खान से ली। राशिद खान की पहली मंचीय प्रस्तुति 11 साल की उम्र में थी। वे रामपुर-सहसवान घराने के गायक थे। उन्होंने फिल्मों में भी अपनी आवाज दी। जब वी मेट में उनकी गाई बंदिश आओगे जब तुम साजना काफी लोकप्रिय रही।

राशिद खान अपने नाना की तरह विलंबित ख्यालों में गाते थे। वे उस्ताद अमीर खां और पंडित भीमसेन जोशी की गायकी से भी प्रभावित थे। संगीतकार के लोकप्रिया गानों की बात करें तो वे इंडस्ट्री में तोरे बिना मोहे चैन नहीं जैसा सुपरहिट गाना गाया था। वहीं, वे इंडस्ट्री के किंग यानी शाहरुख खान की फिल्म माई नेम इज खान में भी गाना गा चुके हैं। यही नहीं, उस्ताद राशिद खान राज 3, कादंबरी, शादी में जरूर आना, मंटो से लेकर मीटिन मास जैसी फिल्मों में भी अपनी आवाज का जादू बिखेर चुके हैं। संगीत जगत को अपनी आवाज से मंत्रमुग्ध करने वाले उस्ताद राशिद खान को पद्मश्री और पद्मभूषण से नवाजा गया था। राशिद का संगीत करियर 11 साल की उम्र में ही शुरू हो गया था। संगीतकार ने कई बांग्ला गीत भी आए।

शायर मुनव्वर राणा की तबियत ज्यादा बिगड़ी वेंटीलेटर में किया गया शिफ्ट

एजेंसी,लखनऊ। मशहूर शायर मुनव्वर राना को गंभीर हालत में मंगलवार को एसजीपीजीआई में भर्ती कराया गया। वे कुछ समय से गंभीर समस्याओं से पीड़ित हैं। दो दिन पहले उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर पीजीआई के नेफ्रोलॉजी विभाग में शिफ्ट कराया गया। नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नारायण प्रसाद ने बताया कि मुनव्वर राना किडनी के रोग से पीड़ित हैं। उनकी डायलिसिस होती रहती है। उन्हें दिल और फेफड़े से संबंधित समस्याएं हैं। इसके अलावा सीओपीडी से भी पीड़ित हैं। मौसम बिगड़ने पर उनकी तकलीफ बढ़ जाती है। इससे भी उनकी स्थिति थोड़ी गंभीर है। फिलहाल उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। डॉक्टरों की टीम उन पर नजर रखे है। उनकी बेटी ने इस बारे में जानकारी दी। बेटी सुमैय्या राणा ने लोगों से उनके पिता के लिए दुआ करने की गुजारिश की है। मालूम हो कि मुनव्वर राणा अपनी शायरियों की वजह से देश-दुनिया में मशहूर हैं।

ईडी टीमों पर हमले को लेकर गृह मंत्रालय ने अपनाया सख्त रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। बीती पांच जनवरी को ईडी पश्चिम बंगाल के राशन घोटाले में 15 स्थानों पर छापेमारी की थी। पीडीएस घोटाले के मामले में जब एजेंसी उत्तर 24 परगना में टीएमसी संयोजक शाहजहां शेख के तीन परिसरों पर तलाशी ले रही थी। तलाशी के दौरान एक परिसर में सीआरपीएफ कर्मियों के साथ ईडी टीम पर 800-1000 लोगों ने हमला किया। पश्चिम बंगाल में ईडी की छापेमारी और कार्रवाई के दौरान इसके अधिकारियों पर हमले को लेकर सियासत जारी है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों पर हुए हमलों पर पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है। गृहमंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पश्चिम बंगाल सरकार से उन परिस्थितियों पर एक विस्तृत रिपोर्ट भेजने को कहा है, जिनके कारण हमले हुए उसमें ईडी अधिकारी घायल हो गए। इतना ही नहीं, गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से केंद्रीय जांच एजेंसी टीमों पर हमलों के बाद की गई कार्रवाई का विवरण भेजने को भी कहा है। दरअसल, बीती पांच जनवरी को ईडी पश्चिम बंगाल के राशन घोटाले में 15 स्थानों पर छापेमारी की थी। पीडीएस घोटाले के मामले में जब एजेंसी उत्तर 24 परगना में टीएमसी संयोजक शाहजहां शेख के तीन परिसरों पर तलाशी ले रही थी। तलाशी के दौरान एक परिसर में सीआरपीएफ कर्मियों के साथ ईडी टीम पर 800-1000 लोगों ने हमला किया। शाहजहां को ज्योति प्रिय मलिक का करीबी माना जाता है। ईडी ने एक बयान में कहा कि हमलावर लाठी, पत्थर और ईंट से लैस थे। इस घटना में ईडी के तीन अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीएम योगी का वादा होगा पूरा

बीजेपी 20000 राजस्थानियों को कराएगी श्रीराम के दर्शन

एजेंसी

जयपुर। 20 हजार राजस्थानवासियों को अयोध्या में श्रीराम मंदिर के दर्शन कराकर भाजपा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वादा पूरा करने जा रही है। सीएम योगी ने यह वादा विधानसभा चुनाव के दौरान चुनावी सभाओं में किया था। उन्होंने पुष्कर, अजमेर, तिजारा और आमेर समेत अन्य विधानसभा क्षेत्रों में सभा को संबोधित करते हुए प्रत्याशियों से कहा था- भाजपा सरकार बन जाए, तब यहां के लोगों को राम मंदिर दर्शन कराने के लिए अयोध्या लेकर आना। अब राजस्थान में भाजपा की सरकार है और श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह का समय भी नजदीक आ रहा है। ऐसे में भाजपा ने 20 हजार राजस्थान वासियों को भगवान श्रीराम के दर्शन कराने के लिए 200 विधानसभा क्षेत्रों में प्रभारी नियुक्ति कर दिए हैं। हर विधानसभा सीट से 100-100 लोगों का चयन किया जाएगा। यह अभियान 14 जनवरी से 15 मार्च तक चलेगा, इस दौरान 20 हजार श्रीराम मंदिर के दर्शन करने के लिए अयोध्या भेजे जाएंगे।

राजस्थान से श्रीराम मंदिर दर्शन करने के लिए अयोध्या भेजे जाने वाले लोगों का चयन कार्यक्षेत्रों के आधार पर किया जाएगा। इनमें धार्मिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। खेल, कलाकार, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, विद्वान-विशेषज्ञ और भामशाह भी शामिल रहेंगे। इसके अलावा कुछ कारसेवकों और मीसाबंदियों को भी अयोध्या भेजा जाएगा। इस खास अभियान का संयोजक प्रदेश महामंत्री जगबीर सिंह छाबा को बनाया है। एक मीडिया संस्थान को छाबा ने बताया कि श्रद्धालु को ले जाने के लिए विशेषा ट्रेनों का प्रबंध किया जाएगा।

राम मंदिर के निर्माण से पहले ही अयोध्या की अर्थव्यवस्था को लगे पंख

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार निर्यात में हुआ जबरदस्त इजाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक अयोध्या से होने वाला निर्यात लगातार बढ़ रहा है। बीते एक साल में विभिन्न क्षेत्रों में अयोध्या से 254 करोड़ रुपये की वस्तुओं का निर्यात किया गया है...

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। पीएम मोदी 22 जनवरी को मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। मंदिर निर्माण के साथ ही आर्थिक क्षेत्र में अयोध्या ने ऊंची छलांग लगाई है। यूपी में बीते साल फरवरी में हुए इन्वेस्टर समिट में जहां अयोध्या को 49000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले, वहीं निर्यात के मोर्चे पर भी रामनगरी को भारी सफलता मिली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक अयोध्या से होने वाला निर्यात लगातार बढ़ रहा है। बीते एक साल में विभिन्न क्षेत्रों में अयोध्या से 254 करोड़ रुपये की वस्तुओं का निर्यात किया गया है। इससे पहले वर्ष 2021-22 में अयोध्या से 110 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ है। इस तरह वर्ष 2022-23 में अयोध्या से होने वाले निर्यात में 150 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रयासों ने अयोध्या को आर्थिक रूप से भी काफी समृद्ध किया है। एक तरफ अयोध्या को जहां सोलर सिटी के रूप में नई पहचान दी जा रही है, वहीं निर्यात के रूप में भी अयोध्या ने अलग उड़ान भरी है। सबसे अधिक निर्यात कोयले का हुआ है, जबकि विभिन्न तरह के पेपर्स व आयुर्वेदिक दवाएं भी बाहर भेजी जा रही हैं। रामनगरी से बिटुमिनस कोयला 90.61 करोड़ रुपये का तो भाप कोयला 3.81 करोड़ रुपये का निर्यात अकेले वर्ष 2022-23 में किया गया है। अन्य तरह के कोयले का निर्यात 44 करोड़ रुपये का किया गया है। अयोध्या से वर्ष 2022-23 में क्राफ्ट पेपर व पेपर बोर्ड 44.56 करोड़ रुपये का तो पोस्टर पेपर 1.7 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया है। इसी अवधि में आयुर्वेदिक दवाएं 3.18 करोड़ रुपये की बाहर भेजी गई हैं, तो 2.76 करोड़ रुपये के उबले चावल का निर्यात किया गया है। इसके अलावा वुड पल्प बोर्ड का निर्यात 3.12 करोड़ रुपये का, तो 3.24 करोड़ रुपये मूल्य की बेकरी मशीनरी बाहर भेजी गयी है। इसके अलावा 2022-23 में रामनगरी से राइस पारब्वायल्ड (एक्सक्लूडिंग बासमती राइस) का 2.76 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया। वैश्विक निवेशक सम्मेलन में भी अयोध्या को भारी-भरकम निवेश प्रस्ताव मिले थे। साथ ही इस शहर में होटल व गेस्ट हाउस बनाने के लिए देश-विदेश की नामी कंपनियों से प्रस्ताव मिले हैं। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अयोध्या में 40 मेगावाट का संयंत्र बीते एक साल में ही बन कर तैयार हुआ है।

पति से नफरत ने बनाया हत्यारा

खून के धब्बे-टैक्सी की जिद ने खोली पोल

एजेंसी

नई दिल्ली। गोवा में एक मां ने अपने ही चार साल के बेटे को मौत के घाट उतार दिया। इसके पीछे की आधिकारिक वजह तो अभी सामने नहीं आई है, लेकिन कहा जा रहा है कि उसने ऐसा अपने पति से बेतहाशा नफरत के चलते किया।

गोवा में मानवता को तार-तार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। यहां एक महिला को अपने ही चार साल के बेटे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी महिला बेटे के शव को बैग में रखकर गोवा से कर्नाटक जा रही थी, जब गोवा पुलिस ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग से उसे गिरफ्तार किया। आरोपी महिला का नाम सूचना सेठ है जोकि 39 साल की है। वह एक एआई स्टार्टअप की सीईओ हैं।

गोवा पुलिस के मुताबिक, छह जनवरी को सूचना सेठ गोवा के सोल बनयान ग्रांडे होटल में अपने चार साल बेटे के साथ आई थी। इसके बाद उसने सोमवार यानी आठ जनवरी को होटल से चेक-आउट किया था। सूचना सेठ के सोमवार को चेक आउट करने के बाद हत्या का खुलासा हुआ। दरअसल, सेठ के अपार्टमेंट छोड़ने के बाद हाउसकीपिंग स्टाफ सफाई करने गया तो वहां खून के धब्बे मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इस पर पुलिस ने सबसे पहले होटल की सीसीटीवी फुटेज खंगाली। जिसमें सूचना चेक इन के वक्त अपने बच्चे के साथ आती दिख रही थी। वहीं, आठ जनवरी को सूचना को अपने बेटे के बिना सर्विस अपार्टमेंट से बाहर निकलते हुए देखा गया। इसके बाद पुलिस हरकत में आ गई और सूचना की तलाश तेज की।

दिल्ली में संभले, पर यूपी में अटका है गठबंधन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के अंदर खाने से बड़ी खबर आ रही है। पार्टी के एक महासचिव का कहना है कि उत्तर प्रदेश को छोड़कर कहीं भी गठबंधन का अधिक पेंच नहीं फंसेगा। अखिलेश यादव के करीबी और दुबई से लौटकर आए नेता का कहना है कि रालोद, सपा और कांग्रेस के बीच में सीटों के बंटवारे की बात चल रही है। हालांकि, अंदर खाने से खबर है कि कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा इसमें चौथे दल के रूप में बसपा की इंट्री का प्रयास कर रहा है। बताते हैं बिहार में जद(यू), राजद और आंग्रेस के बीच में मोटी-मोटी सहमति बन गई है। अब केवल राजद और जद(यू) को आपस में समझना है। सूत्र का कहना है कि जद(यू) के वर्तमान में लोकसभा में 16 सांसद हैं, लेकिन गठबंधन में सहयोगी दलों का ख्याल रखना होता है। इसे जद(यू) और सहयोगी दल राजद दोनों समझते हैं। राजद के एक विधायक की माने तो 16 सीट पर राजद और 16 सीट पर जद(यू) 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। शेष सीट कांग्रेस और वाम दल के पाले में जाएगी। इसलिए सहमति बनने में कोई बड़ा रोड़ा नहीं है। महाराष्ट्र में भी कोई बड़ा पेंच नहीं फंसने वाला है। रविवार तक नतीजे पर पहुंच जाएंगे। वरिष्ठ नेता का कहना है कि राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा आरंभ होने से पहले इंडिया गठबंधन अपने भीतर के सभी पेंच सुलझा लेगा। इस समय इसका समाधान ही उच्च प्राथमिकता में है। दिल्ली में भी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी के एक राज्य के प्रभारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कोई बहुत चिंता नहीं है। वह कहते हैं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी के बयानों पर मत जाइए। इंडिया गठबंधन के सभी नेता इसकी एकजुटता के लिए गंभीर हैं। माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 34-36 सीटों पर अपना दावा पेश करेगी। शेष सीटें सहयोगियों के लिए रहेगी।

यूपी में 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित!

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्याधाम में बहुप्रतीक्षित श्रीरामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से आम जनमानस के भावनात्मक जुड़ाव को देखते हुए 22 जनवरी को प्रदेश में शिक्षण संस्थाओं में अवकाश घोषित करने के निर्देश दिए हैं। इस विशिष्ट अवसर को राष्ट्रीय उत्सव की संज्ञा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि 22 जनवरी को प्रदेश में मदिरा आदि की दुकानें बंद रखी जाएं।

मंगलवार को अयोध्या दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला और हनुमान गढ़ी के दर्शन-पूजन के उपरांत श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। मकर संक्रांति के बाद प्रारंभ हो रहे प्राण प्रतिष्ठा के वैदिक अनुष्ठानों की जानकारी लेते हुए मुख्यमंत्री ने समारोह की सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं में तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सभी आवश्यक सहयोग के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके बाद, आयुक्त सभागार में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों से तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में आ रहे गणमान्य जनों को अयोध्या में बेहतर आतिथ्य प्राप्त होना चाहिए। हर एक वीवीआईपी के विश्राम स्थल का चयन पूर्व में ही कर लिया जाए। मौसम के दृष्टिगत संभव है कि कुछ अतिथि एक-दो दिन पहले ही आ जाएं, ऐसे में उनके रुकने की बेहतर व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि अयोध्या में होटल और धर्मशालाएं हैं। होम स्टे की व्यवस्था भी है। टेंट सिटी की संख्या और बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। कुंभ की तर्ज पर अयोध्या में 25-50 एकड़ में एक भव्य टेंट सिटी तैयार कराएं। 22 जनवरी के उपरांत अयोध्या में दुनिया भर से रामभक्तों का आगमन होगा। उनकी सुविधा के लिए पूरे नगर में विभिन्न भाषाओं में साइनेज लगाए जाएं। संविधान की 08वीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं और संयुक्त राष्ट्र की 06 भाषाओं में साईनेज हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आतिथ्य-सत्कार में स्वच्छता एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। इसमें जनसहयोग लें। धर्म पथ, जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ, राम पथ जैसे प्रमुख मार्गों अथवा गलियों में धूल न उड़े, गंदगी न हो। जगह-जगह कूड़ेदान रखे हों। वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था हो। अभी 3800 से अधिक स्वच्छताकर्मी तैनात हैं, 1500 कर्मचारियों की संख्या और बढ़ाएं। अयोध्या प्रतिबंधित पॉलीथिन मुक्त नगर हो, इसके लिए हम सभी को प्रयास करना होगा। 14 जनवरी से नगर में स्वच्छता विषयक विशेष अभियान चलाएं। नगर में कहीं भी गंदगी नहीं दिखनी चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी टेंट सिटी में 10-10 बेडेड का स्वास्थ्य केंद्र तैयार कराएं। इसमें सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन भी सहयोग के लिए उत्सुक हैं। यहां एम्बुलेंस की तैनाती हो। विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों को अयोध्या ने तैनात करें। टेंट सिटी की व्यवस्थाओं का आज मैने अवलोकन किया है। यहां अच्छी व्यवस्था है। साफ सफाई का ध्यान रखें। यहां ठहरने वालों को गर्म पानी मिले। टेंट सिटी में खाद्यान्न की उपलब्धता बनी रहे, इसके लिए खाद्य एवं रसद विभाग तथा मंडी परिषद द्वारा आवश्यक व्यवस्था की जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रैन बसेरे को और व्यवस्थित करें। कई स्थानों पर इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। धर्मनगरी में रात्रि विश्राम करने वाला एक भी व्यक्ति ठंड से ठिठुरता न मिले। राहत आयुक्त के स्तर से इसके लिए आवश्यक प्रबंध किए जाएं। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में बड़ी संख्या में लोगों का आगमन हो रहा है। ऐसे में लखनऊ, प्रयागराज और गोरखपुर से अयोध्या मार्ग को ग्रीन कॉरिडोर के रूप में तैयार रखा जाए। वाहन चलते रहें, खड़े न रहें। इन मार्गों को रामायण, रामचरितमानस के श्लोकों, चौपाइयों और दोहों से आकर्षक बनाएं। विभिन्न भाषाओं में साइनेज भी लगाए जाएं। 22 जनवरी के समारोह के लिए पार्किंग और यातायात प्रबंधन की बेहतर कार्ययोजना बनाएं। अयोध्या को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था हो। आगंतुकों के आवागमन के लिए इलेक्ट्रिक बसों की पर्याप्त उपलब्धता हो। इनकी पार्किंग के इंतजाम कर लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या का डिजिटल टूरिस्ट एप विकसित इसी सप्ताह तैयार कराया लें। इसमें अयोध्या में मौजूद सभी आधारभूत सुविधाओं एवं प्रमुख स्थलों की जानकारी वॉक थ्रू के माध्यम से उपलब्ध हो। अयोध्या नगर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण हो। इसके लिए मोबाइल वैन,एलईडी स्क्रीन आदि की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्याधाम में बड़ी संख्या में बाहरी लोग भी निवास कर रहे हैं। ऐसे लोगों का सत्यापन करते हुए नगर की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। आवश्यकतानुसार पुलिस पिकेट बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में पूरी दुनिया से लोग आने वाले हैं। यहां तैनाती पाने वाले पुलिसकर्मियों का व्यवहार प्रदेश की छवि प्रभावित करने वाला होगा। ऐसे में उनकी काउंसिलिंग की जाए। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों से सतत संपर्क बनाए रखें। अयोध्याधाम आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को नव्य, दिव्य, भव्य अयोध्या की महिमा से परिचय कराने प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड तैनात करें। इसमें स्थानीयता को वरीयता दें।

हर देव मंदिर में दीपोत्सव मनाएं

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम करोड़ों सभी सनातन आस्थावानों के लिए हर्ष-उल्लास, गौरव और आत्मसंतोष का अवसर है। पूरा देश राममय है। 22 जनवरी को सायंकाल हर देव मंदिर में दीपोत्सव मनाया जाएगा। हर सनातन आस्थावान अपने घरों/प्रतिष्ठानों में रामज्योति प्रज्ज्वलित कर रामलला का स्वागत करेगा। सभी सरकारी भवनों की साज-सज्जा कराई जाए। सायंकाल आतिशबाजी के भी प्रबंध हों।

जरूरतमंदों की मदद का जज्बा यदि नही है तो इंसान कहलाने का भी नही है हक :अंकित शुक्ला

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद संस्थापक/अध्यक्ष अंकित शुक्ला के द्वारा पिछले कई वर्षो से गरीब, बेसहारा, लाचार लोगों को सर्दी से बचाने के लिए एक विशेष मुहिम चला रही है उसी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए आज जनपद के विभिन्न जगह पर नये पुराने पहनने योग्य कपड़ों व कंबल का वितरण किया गया लगभग कई दर्जन गाँवों के लोगों को नये, पुराने गर्म कपड़े व कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित कपड़े एवं कम्बल जिसमें लगभग कई हजारो जरूरतमंद लोगों को कपड़े वितरित किये गए। और अति जरूरतमन्द सैकड़ो लोगों को नये पुराने पहनने योग्य कपड़े और कम्बल वितरित किये गए। अंकित शुक्ला ने कहा कि इससे अधिक पुण्य कार्य भला और क्या हो सकता कि ठण्ड की मार से कराह रहे लोगों को अगर गर्म कपड़े मिल जाये तो वो लोग कितने खुश होंगे और कितनी दुआएँ देंगे वहां के लोगों ने कहा कि धन्यवाद के पात्र हैं ऐसे लोग जिन्होंने समय के इतने अधिक बदलते हुए परिवेश में भी मानवता का परिचय देने का कार्य किया अंकित शुक्ला ने कहा कि गरीबों की मदद से बढ़कर और कोई दूसरा कार्य नहीं है, गरीबों की मदद करने से भगवान खुश होते है जो लोग गरीबों की मदद करते हैं भगवान उनकी खुद मदद करते हैं।और लोग गरीबों की मदद में हाथ आगे बढ़ाते हैं ऐसे लोगों को ईश्वर हमेशा खुश रखते हैं अंकित शुक्ला ने कहा क्योंकि आज उन खुशियों का कोई मोल नहीं होता है जो खुशखुदक जो सीमित रहती है बल्कि खुशियां ती असल मायने में केस्त औरो के साथ बांस का विषय है कि हमे इंसान कहलाने कर हक क्या तब प्रातही आर जाएगा जब हमारे सामने भूख में कोई बिलबिला रहा हो और हम अपनी नेट में अनेको व्यंजन छोड़ रहे हो या हमारे सामने कोई गरीब जगह से बेचैन हो रहा हो और हम गर्म रजाई के अन्दर सदी का आनन्द उठा रहे हो नही हम इंसान कहलाने के तब अधिकारी होंगे, जब हम पहले औरों के साथ मानवता दिखाएं बल्कि इंसान का बजूद तभी तक है जब तक वह अपनी खुशियों को भुलाकर औरों के गम बांटता रहेगा, अंकित शुक्ला द्वारा कड़ा गया कि हम कैसे इंसान है और किस एक से मानवता की बात करेंगे जी यदि हमारे सामने ठण्ड से ठिठुरकर कोई गरीब दम तोड़ देगा तो हम कैसे सेवक कहलाएंगे अंकित शुक्ला ने बताया की सेवा वह नाम होता है ठंडी गर्मी बारिश त्याग कर देता है और किसी भी परिस्थिति को अपने परिवार को त्याग कर देता है जब हम दूसरों की सेवा करना प्रारंभ कर देते हैं तो अपने घर में भी समय कम दे पाते हैं आज भीषण ठंड में वह बारिश हवा चल रही है तब कोई सेवक सड़क पर नहीं दिखाई दे रहा ऐसी सेवा किस काम की वहीं पर अंकित शुक्ला ने अपनी एक ऐसी पहल दिखाकर कई हजारों लोगों को कंबल कपड़े बताकर उनके चेहरों को खुशियों से भर दिया ऐसे सेवक को सलाम करते लोगों का दामन खिल उठा अंकित शुक्ला ने अपनी पूरी टीम के साथ ऐसी सेवा रात दिन बेसहारा लोगों को भोजन करते हैं एवं गौ सेवा पशु से लेकर शिशु तक की सेवा करने के योग्य की नायक माने जाते हैं ने आसपास के नहीं बल्कि प्रदेश भर में एक मुख्य सेवक का नाम दिया गया है

युवा वैज्ञानिक मो0 नदीम 23 देशों के वैज्ञानिक के साथ साझा करेंगे अपने विचार

अमेरिका,कुवैत,जर्मनी, फ्रांस,जापान,थाईलैंड मलेशिया जैसे देश लेंगे हिस्सा

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। के छोटे से गांव नली हसनपुर के निवासी युवा वैज्ञानिक मोहम्मद नदीम, भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) में करेंगे शीरकत। आपको बताते चले युवा वैज्ञानिक मोहम्मद नदीम को डीबीटी-टीएचएसटीआई और डीबीटी के संयुक्त परिसर में आयोजित होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) में खेलों और खिलौनों के माध्यम से विज्ञान कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित किया है जो की आरसीबी, फ़रीदाबाद व हरियाणा में 17 से 20 जनवरी 2024 तक जनता को विज्ञान से जोड़ना और विज्ञान की खुशी का जश्न मनाना है और यह दिखाना है कि कैसे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) हमें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए समाधान प्रदान करते हैं आज अनेक देशों से आगे निकल चुका है लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। इसके चलते भारत अंतरराष्ट्रीय एवं विज्ञान महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। जिसमें अमेरिका, कुवैत, जर्मनी, फ्रांस, जापान, नांबीबिया, म्यामांर, थाईलैंड, केन्या, मलेशिया सहित विभिन्न 23 देशों के वैज्ञानिक अपनी तकनीक के साथ उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा इन देशों के उद्योगपति भी होंगे। उन्होंने कहा कि आईआईएसएफ का उद्देश्य व्यापक स्तर पर लोगों को प्रेरित करना और छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों, उद्यमियों के लिए एक मंच प्रदान करना है। युवा वैज्ञानिक ने अपनी महेनत से अपने गांव के साथ जिले का नाम राष्ट्रीय,अंतराष्ट्रीय स्तर तक किया है।

एक नज़र

16 जनवरी को बाराबंकी आयेंगे अखिलेश यादव, सपा कार्यकर्ता कर रहे है लोगो को आमंत्रित

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बाराबांकी। 16 जनवरी को कस्बा बदोसराय में पूर्व विधायक स्वर्गीय अशर्फी लाल यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में आ रहे ।16 जनवरी को अखिलेश यादव के आगमन को लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कवि आनंद कौशल आन लोगो से मिलकर उन्हें आमंत्रित किया और भीड़ जुटाने के लिए लोगो से की अपील क्षेत्र में कवि आनंद कौशल कर रहे जोरदार मेहनत।

रोजगार मेले में 225 अभ्यर्थियों का विभिन्न निजी कंपनियों में चयन

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

मसौली (बाराबंकी)। आईटीआई, कौशल विकास और सेवायोजन विभाग की ओर से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बड़ागांव परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया।रोजगार मेले में 225 अभ्यर्थियों का विभिन्न निजी कंपनियों में चयन किया गया।राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बड़ागांव में ब्लॉक स्तरीय रोजगार मेले का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मौर्य ने किया। मेले में हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, डिप्लोमा, कौशल विकास मिशन से प्रशिक्षण प्राप्त और आईटीआई उत्तीर्ण 693 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से कुल 225 युवाओं को शॉर्टलिस्ट कर नियुक्ति पत्र दिया गया। चयनित अभ्यर्थियों को 8000 से लेकर 21000 रुपये का वेतन प्रतिमाह दिया जाएगा।

नाबालिग को भगाने का आरोप, अभियोग पंजीकृत

विकास सैनी द अचीवर टाइम्स

लखनऊ। एक गांव निवासी एक पिता ने अपनी चौदह वर्षीय बेटी को बहला फुसला कर भगा ले जाने का आरोप लगाया है। आपको बता दें कि माल थाने में एक पिता ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसकी नाबालिक बेटी को रविवार को लगभग छः बजे मसीढ़ा निवासी खानबाबू बहला फुसलाकर भगा ले गया है।गांव में और परिचितों के यहां खोजना शुरू किया। काफी खोजबीन के बाद भी बेटी नहीं मिली।खान बाबू के घर पर भी जानकारी की लेकिन कुछ पता न चल सका, खानबाबू का मोबाइल नंबर भी बंद आ रहा है,पुत्री की जान का खतरा है।मामले में लड़की के पिता ने लड़के के विरुद्ध नामजद तहरीर देते हुए भगा ले जाने का आरोप लगाया है। इस संबंध में माल थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होगा।

आशिक मिजाज दुकानदार ने युवती से की छेड़छाड़ पीड़ित ने थाने में दी तहरीर

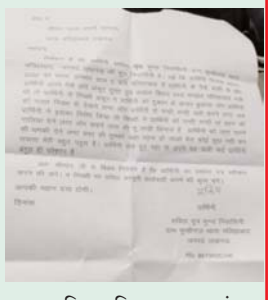

द अचीवर टाइम्स/प्रभात तिवारी

मलिहाबाद/लखनऊ। योगी सरकार में अनुसूचित जाति की युवती के साथ आशिक मिजाज दुकानदार ने छेड़छाड़ कर जाति सूचक गालियां देकर जान दे मारने की धमकी दी है। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। मंगलवार को शाम अनुसूचित जाति की युवती ने थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया कि मलिहाबाद कस्बे के सराफा बाजार स्थित किरन वस्त्र भंडार के दुकानदार से बकाया पैसे मांगने गयी थी तभी दुकानदार अंकुर गुप्ता ने युवती को दुकान के अंदर बुलाया जैसे ही युवती दुकान के अंदर गयी तो अंकुर गुप्ता ने गलत नियत से देखने लगा और गन्दी गन्दी बाते करने लगा। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो अंकुर ने आक्रोशित होकर माँ बहन की गन्दी गन्दी गालिया देकर जान से मारने की धमकी दी है। तभी पीड़ित रोते हुए वहा से अपने घर चली गयी और परिजनों को आपबीती बताई। घटना से आहत होकर पीड़ित परिवार ने थाने पहुँचकर तहरीर देकर आरोपी दुकानदार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की गुहार लगाई है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि पीड़ित द्वारा तहरीर प्राप्त हुई है घटना पैसे के लेन देन की है।घटना की जांच की जा रही है जांच उपरांत कार्यवाही की जायेगी।

नीमगांव थाना पुलिस ने पैदल गश्त कर दिया सुरक्षा का भरोसा

द अचीवर टाइम्स अमित कुमार बाजपेई

लखीमपुर खीरी। नीमगांव थाना क्षेत्र में नवगत थाना अध्यक्ष श्रद्धा सिंह ने पुलिस जवानों के साथ मुख्य मार्गों, गलियों, बाजारों व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मय हमराही की पैदल गश्त लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिया।थाना अध्यक्ष श्रद्धा सिंह ने कहा कमजोर वर्ग खुद को असुरक्षित न समझें। पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए मुस्तैद है और आपराधिक गतिविधियों पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के लिए पूरा जोर लगा रही है।

भगवान की दिव्य झांकी के साथ घर-घर हुआ अक्षत वितरण

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

बराबंकी। श्री राम जन्मभूमि भव्य मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त निमंत्रण हेतु श्री अयोध्या धाम से भेजे गए पूजित अक्षत प्रत्येक घर पहुंचाने के महा अभियान के अंतर्गत मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम व अनुज भ्राता लक्ष्मण की दिव्या झांकी के साथ स्वयसेवको ने ग्राम-औलियापुर, लालपुर, परसा, रायगंज, निष्ठापुरवा, महमदपुर में घर-घर पूजित अक्षत पहुंचाकर निमंत्रण दिया गया ।इस अभियान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिलासह बौद्धिक प्रमुख रुद्र प्रताप, जिला सह-प्रचार प्रमुख आलोक कुमार, विष्णु कांत, पंकज, सत्येन्द्र, अमित, अवधेश, शमशेर सिंह वर्मा, योगेन्द्र, आदर्श, अधिनायक, अर्णव आदि दर्जनों

प्रदेश में जब से भाजपा की सरकार बनी है तब से महिला उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं-पुरुषोत्तम नागर

- प्रदेश में महिला उत्पीड़न के विरोध में आज हापुड़ में कांग्रेस सौंपेगी राष्ट्रपति को ज्ञापन।
- महिलाओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस - अभिषेक गोयल।

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। दिन मंगलवार को दिल्ली रोड स्थित वरिष्ठ कांग्रेसी राकेश त्यागी के प्रतिष्ठान पर एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं जनपद हापुड़ के प्रभारी पुरुषोत्तम नागर भी पधारे और प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जब से उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है तब से प्रदेश में महिला उत्पीड़न के मामले सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। 2 नवंबर 2023 को आईआईटी बीएचयू की छात्रा की तीन भाजपा के युवाओं द्वारा बेखौफ होकर जबरन गन प्वाइंट पर नग्न वीडियो बनाई गई और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। दुर्भाग्य की बात तो ये हैं कि यह घटना प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र बनारस की हैं और इस घटना को अंजाम देने वाले खुद भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी रहे हैं। तो वही शहर कांग्रेस अध्यक्ष अभिषेक गोयल ने कहा कि महिलाओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस। क्योंकि 10 जनवरी 2024 दिन बुधवार को हापुड़ शहर के कांग्रेस जन नगर पालिका परिषद स्थित एसडीएम कार्यालय पर एकत्रित होकर महिला उत्पीड़न के विरोध में विरोध प्रदर्शन करेंगे और महामहिम राष्ट्रपति संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपेंगे। इस दौरान पीसीसी सदस्य अरविंद शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी राकेश त्यागी, ब्लॉक अध्यक्ष जकरिया मनसबी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीमा शर्मा, मीडिया प्रभारी गौरव गर्ग आदि पदाधिकारी गण मौजूद रहे.!

आगामी अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दृष्टिगत सीओ ने की बैठक

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

टिकैतनगर बाराबंकी। आगामी 22 जनवरी अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दृष्टिगत रखते हुए कोतवाली में आज मंगलवार को पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशा अनुसार सीओ रामसनेहीघाट जटासंकर मिश्रा व कोतवाल सुजीत कुमार सोनकर ने निर्देश दिए की ई-रिक्शा किसी भी दिशा में राजमार्ग पर चलने वाले टैक्सी बस व अपनी निजी वाहन फोर व्हीलर चालकों को यात्रियों से सिष्टता से पेश आने वाले वाहनों को नो पार्किंग जोन में ना खड़ा करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए होटल ढाबा मालिकों को सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा कार्यक्रम कर्मचारियों का सत्यापन करने के पश्चात सभी ढाबो पर रेस्टोरेंट के कर्मियों को आगंतुकों के शिस्टा पूर्वक व्यवहार करने के लिए निर्देसीत किया गया जिले में उपस्थित थाना क्षेत्र के सभरांत व्यक्तियों चौकीदारों से संवाद कर किसी संदिग्ध व्यक्तियों वस्तुओं संबंध में जानकारी होने में स्थानीय पुलिस को सूचना तुरंत दे इस मौके पर कई ग्राम के प्रधान व मंदिरों के पुजारी व व्यापारी सुनील गुप्ता कृपाशंकर शुक्ला सभासद राजेश शर्मा उर्फ फक्कड़ अजय चौधरी रवि गुप्ता व उप निरीक्षक कृष्णकांत सिंह पुलिस स्टाफ मौके पर मौजूद रहा।

15 मार्च से शुरू होगी गेहूं की खरीद, पंजीकरण शुरू

बाराबंकी। गेहूं की खरीद इस वर्ष 15 मार्च से शुरू होगी, इसको लेकर आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही पंजीकरण की प्रक्रिया भी शुरू करा दी गई है। गेहूं बेचने वाले किसान नजदीक के जनसेवा केंद्र पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। शासन ने इस बार गेहूं खरीद का मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि शासन से मिले आदेश के क्रम में गेहूं खरीद की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। डीएम सत्येंद्र कुमार ने अपर जिलाधिकारी को गेहूं खरीद अधिकारी भी नामित कर दिया है। इसके साथ ही क्रय केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सभी एसडीएम को इसके लिए डीएम की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। क्रय केंद्रों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद गेहूं खरीद केंद्रों का निर्धारण कर दिया जाएगा।

बिना HSRP सड़क पर चल रहे सरकारी वाहन रोज उड़ाते हैं नियमों की धज्जियां

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

बाराबंकी। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने की अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी है। जबकि सरकारी विभागों के अधिकांश अधिकारियों के वाहनों में अभी भी पुरानी नंबर प्लेट लगी हुई है। परिवहन विभाग के अधिकारी आम आदमी के वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी होने पर उनके वाहनों का चालान तो काट रहे हैं, लेकिन सरकारी विभागों के ज्यादातर वाहन बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के ही सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं। लेकिन इन वाहनों के चालान काटने में विभाग के अनदेखी कर रहा है।जिले में चार लाख से ज्यादा निजी वाहन और 22 हजार छोटे बड़े कॉमर्शियल वाहन पंजीकृत हैं। कॉमर्शियल वाहनों में 30 सितंबर 2021 तक एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) लगाने के लिए अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। लेकिन समय सीमा बीतने के बाद भी ज्यादातर वाहन बगैर एचएसआरपी लगवाए फर्राटा भर रहे हैं। परिवहन विभाग की तरफ से बिना हाई सिक्योरिटी नंबर लगे वाहनों के खिलाफ लगातार चेकिंग अभियान चलाया जाता है। इस दौरान पकड़े जाने वाले वाहनों का चालान काटने के बाद, पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जाती है।

मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता आयोजित

द अचीवर टाइम्स अखिलेश दास

बाराबंकी। विद्यार्थियों में अपने आस-पास की समस्याओं के निदान के लिए वैज्ञानिक सोच के साथ किये गए प्रयास ही एक उत्कृष्ट मॉडल के रूप में प्रदर्शित होते हैं। यह विद्यार्थियों की प्रतिभा विकसित करने का श्रेष्ठ मंच है।÷ यह विचार मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती एकता सिंह ने जिला विज्ञान क्लब , बाराबंकी के तत्वावधान में किसान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में व्यक्त किये। प्रदर्शनी में 51 विद्यालयों के 73 मॉडल प्रदर्शित किए गए। इसके पूर्व परियोजना निदेशक डी आर डी ए श्री मनीष कुमार, प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष श्री अशोक त्रिपाठी, जीजीआईसी प्रिंसीपल डॉ सुविद्या वत्स, ने दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला विद्यालय निरीक्षक श्री ओ पी त्रिपाठी ,परियोजना निदेशक श्री मनीष कुमार द्वारा विद्यार्थियों द्वारा बनाये गए विज्ञान मॉडल का निरीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक श्री ओ पी त्रिपाठी ने कहा प्रतिकूल मौसम के बाद भी विद्यार्थियों ने जिस उत्साह से जनपद के कोने कोने से आकर प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया है वह उनके उत्साह को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान मात्र किताबो तक सीमित नही है इसको दैनिक जीवन मे घर की दहलीज से लेकर विद्यालय के कक्षा कक्ष तक आसानी से महसूस किया जा सकता है।प्रधानाचार्य जीजीआईसी डॉ सुविद्या वत्स, ज्ञान चन्द्र शुक्ल, इन्द्र कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी को पुष्प गुच्छ भेंट किये। समन्वयक जिला विज्ञान क्लब आशीष पाठक ने विज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और इस वैज्ञानिक सोच के साथ निर्मित मॉडल के उपयोगिता पर ध्यान देने की बात कही। मॉडल प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के सदस्यों श्री ज्ञान प्रकाश , व्याख्याता मेकेनिकल राजकीय पॉलीटेक्निक हरख, डॉ बिनीत गुप्ता प्रोफेसर आई टी रामस्वरूप टेक्निकल विश्वविद्यालय, राजकीय पॉलीटेक्निक हरख से डॉ साक्षी मिश्रा और राम स्वरूप विश्वविद्यालय से डॉ कार्तिकेय तिवारी द्वारा सभी मॉडल का गहन निरीक्षण एवं प्रतिभागियों से प्रश्नोत्तर के माध्यम से मॉडलों का मूल्यांकन किया। इस आधार पर खिलाड़ी दास इंटर कालेज हसुवापुर के अभयराज को टॉयलेट क्लीनर इंस्ट्रूमेंट् के लिए प्रथम स्थान, पी डी जैन इंटर कालेज टिकैतनगर के आलोक एवं रिंकू को एनर्जी एंड वाटर सेविंग मॉडल के लिए द्वितीय और जनता इंटर कालेज के आकाश , सार्थक को वाहन नियंत्रक केंद्र के लिए तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इनको क्रमशः 5 ,3 तथा 2 हजार रुपये का डमी चेक तथा प्रमाण पत्र तथा मोमेंटो दिया गया। इसी के साथ नूर मोहम्मद इंटर कालेज जैदपुर के मुदित और डी ए वी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की करीना और क्षमा को सांत्वना पुरस्कार के रूप में प्रमाण पत्र , मोमेंटो और एक हजार रुपये की धनाशी का डमी चेक मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा प्राप्त हुआ। पुरस्कार की धनराशि इनके खाते में भेजा जाएगा। इसके अतिरिक्त इन स्थान प्राप्त मॉडल के साथ मण्डल स्तर पर भेजे जाने हेतु चयनित मॉडल में लाल बहादुर शास्त्री इंटर कालेज दरियाबाद के अनुज, राजकीय हाई स्कूल घुंगतेर के आकाश ,अभय जीआईसी बाराबंकी के वफ़ा अब्बास,मो आमिर , राजकीय हाई स्कूल चौबीसी के प्रशांत ,प्रीतम , राजकीय हाई स्कूल रसूलपुर हाउस के नूर मोहम्मद, नेशनल इंटर कालेज की रोली, डिम्पल और अर्पिता निगम,राजकीय इंटर कालेज बेलहरा के नबी अहमद, जनपद इंटर कालेज हरख के जगमोहन ,करन और राजकीय हाई स्कूल मित्तई के ललित और अल्ताफ के मॉडल का चयन किया गया है। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रास रूट लेवल पर बच्चों में विज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने तार्किक क्षमता, कल्पनाशीलता तथा वैज्ञानिक पद्धति के कार्यकलापों एवं वैज्ञानिक व्यक्तित्व विकसित करने का है। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले कक्षा 9 से 12 तक के सभी विद्यार्थियों को सम्मान पत्र ,प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया । प्रदर्शनी में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन, कार्बन प्यूरिफिकेशन सिस्टम, न्यू क्लियर पावर प्लाण्ट, मशीन लर्निंग , पैकर होल्डर, घुमंतू पशुओं द्वारा विद्युत उत्पादन, सेंसर बेस ट्रैफिक सिग्नल, तापीय ऊर्जा यंत्र ,स्मार्ट ब्लाइंड स्टिक, हाइड्रोलिक ब्रेक, अर्थ क्रेक अलार्म, सिटी ट्रैफिक सॉल्यूशन, सोलर पावर इरिगेशन सिस्टम आदि मॉडल प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आजाद इंडस्ट्रियल कालेज श्री दिनेश चन्द्र पाण्डेय, प्रधानाचार्य नेशनल इंटर कालेज डॉ रामू मौर्य प्रिंसिपल जागृति इंटर कालेज श्री रमेश ओझा , प्रिंसिपल आलोक श्रीवास्तव, प्रिंसिपल घनश्याम मौर्य, प्रिंसीपल जे पी पांडेय, प्रिंसिपल डॉ नन्हे सिंह, प्रिंसिपल शैलेन्द्र गिरी , राजीव त्रिवेदी, सुनील कुमार, बान बिहारी , प्रियंका त्रिपाठी , प्रियंका जायसवाल , कौशल किशोर धीमान , आशुतोष , वीरेन्द्र सिंह, रविन्द्र राय, रोशन लाल, लीला रमन,सहित अनेक प्रधानाचार्य एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक किसान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अशोक त्रिपाठी ने सभी अतिथियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

अयोध्या में पर्यटन से सालाना 55 हजार करोड़ की होगी आय

हर माह आएंगे दो करोड़ पर्यटक

संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि आने वाले समय में अयोध्या भारत के पर्यटन का मुख्य केंद्र बनेगी। देश-दुनिया से लोग यहां आएंगे। अयोध्या में बन रहा भव्य राम मंदिर व रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद यहां की अर्थव्यवस्था में भी क्रांतिकारी बदलाव आएगा। एक अनुमान के मुताबिक अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद हर माह दो करोड़ पर्यटक/ श्रद्धालु आएंगे। हर पर्यटक यहां कम से दो-ढ़ाई हजार रुपये भी खर्च करेगा तो इससे सालाना 55 हजार करोड़ की आय होगी। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में यह दी जानकारी। उन्होंने कहा कि भव्य राम मंदिर निर्माण से अयोध्या समेत आस-पास के लगभग छह जिलों

का आर्थिक परिदृश्य बदलेगा। इससे होटल, टैक्सी, रेस्टोरेंट, हस्तशिल्प, वस्त्र विक्रताओं आदि व्यवसाय में लगे कारोबारियों की आय व रोजगार बढ़ेगा। पर्यटन विभाग अयोध्या में 588 करोड़ व धर्मार्थ कार्य विभाग 936 कुल 1524 करोड़ से मूलभूत सुविधाओं, विकास, कुंड-मठ, मंदिर का जीणोर्द्धार आदि का काम करा रहे हैं। इसमें पर्यटकों व श्रद्धालुओं को केंद्र में रखा गया है। हम अयोध्या आने वाले हर पर्यटक-श्रद्धालु को विश्वस्तरीय सुविधाएं देंगे। उन्हें हर 500 मीटर पर पेयजल, विश्राम स्थल, टीन शेड, शौचालय, साइनेज आदि मूलभूत चीजों की सुविधा मिलेगी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को प्रदेश में पांच करोड़ घरों में दीप जलेंगे। इसके लिए जिला स्तरीय समिति लोगों को प्रेरित कर रही है। इसकी संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि रामोत्सव के तहत प्रदेश भर में 8000 रजिस्टर्ड कलाकार व अयोध्या में 35 हजार कलाकार 14 जनवरी से 24 मार्च के बीच अपनी प्रस्तुति देंगे। अयोध्या में रामकथा आदि कार्यक्रमों की शुरुआत आठ जनवरी से हो गई है। 14 से पूरे प्रदेश में कार्यक्रम शुरू होंगे। इसी क्रम में चित्रकूट से 15 जनवरी को श्रीरामचरण पादुका यात्रा निकलेगी। जो राम वन गमन पथ से होते हुए 19 जनवरी को नंदी ग्राम, अयोध्या में समाप्त होगी।

काशी जैसी भव्य आरती करेगी आकर्षित

जयवीर सिंह ने कहा कि काशी जैसी भव्य अयोध्या में सरयू किनारे होने वाली आरती को बनाएंगे और आगे भी जारी रखेंगे। इसके लिए संबंधितों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह पर्यटकों को आकर्षित करेगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या को भव्य, दिव्य और अलौकिक बनाने का हर प्रयास कर रहे हैं। सपा कार्यालय के बाहर आ रहे हैं हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम वाली होर्डिंग के बारे में पूंछने पर उन्होंने कहा कि राम के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। भगवान राम कण-कण में व्याप्त हैं। जो भी भारतीय उन्हें अपना आदर्श मानता है, वह इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दे।

यह भी है खास

- अयोध्या से अहमदाबाद के लिए इंडिगो की फ्लाइट की शुरुआत 11 जनवरी से
- होम स्टे के लिए ओयो ने 750 कमरे प्रोजेक्ट किए, ऑनलाइन बुकिंग होगी
- अयोध्या में नेपाल, कंबोडिया, सिंगापुर, श्रीलंका, इंडोनेशिया, थाईलैंड खोलेंगे अपने गेस्ट हाउस, जमीन मांगी
- 158 नए होटल के लिए प्राइवेट कंपनियों के प्रस्ताव आए, मिलेगी सब्सिडी
- अनूप जलोटा, कैलाश खेर, अनुराधा पौडवाल, एआर रहमान, सोनू निगम आदि प्रस्तुत करेंगे भजन
- सरयू में सांस्कृतिक कला नौका यात्रा का आयोजन होगा। इसमें सांस्कृतिक दल प्रस्तुति देंगे।

अखिलेश यादव ने कहा, सबके अपने-अपने भगवान हैं, हमारा लक्ष्य गैर बराबरी दूर करना

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सबके अपने-अपने भगवान हैं। हमारा भगवान तो डीए यानी पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यक हैं। उन्होंने भाजपा सरकार को अल्पसंख्यक विरोधी बताया। साथ ही कहा कि हमारा काम धार्मिक मुद्दों पर बात करना नहीं है, बल्कि समाज में व्याप्त गैर बराबरी दूर करना हमारा लक्ष्य है। अखिलेश यादव मंगलवार को सपा कार्यालय पर विधायकों व वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे नेताओं की बैठक के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। अखिलेश से यह पूछे जाने पर कई साधु-संत और शंकराचार्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम को लेकर अलग-अलग बातें कर रहे हैं, उनका जवाब था कि हमारा काम धर्म का नहीं है, हमारा रास्ता गैर बराबरी दूर करने का है। हमारा रास्ता वही है जो बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर, और डॉ. राममनोहर लोहिया था। जिस पर नेताजी (मुलायम सिंह यादव) ने चलकर हम लोगों को संघर्ष करना सिखाया। बिलकिस बानो के प्रकरण पर अखिलेश ने कहा कि हमे बीजेपी पर भरोसा नहीं है, लेकिन न्यायालय पर पूरा भरोसा है। सरकार ने जिन लोगों पर फर्जी मुकदमे लगाकर जेल भेजा है, उन सबको न्याय मिलेगा। अमेठी और रायबरेली की लोकसभा सीटों पर तैयारी पर सपा प्रमुख ने कहा कि हमारे विधायकों ने सुझाव दिए हैं।

एक नज़र

निजी वाहन चालक आज से शुरू करेंगे स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन

एजेंसी

लखनऊ। हिट एंड रन कानून में संशोधन को लेकर निजी चालक स्टेयरिंग छोड़ो आंदोलन की बुधवार से शुरूआत करेंगे। इसको लेकर चालक एकता संघ की बैठक मंगलवार को लालबाग पार्क में आयोजित की गई। जिसमें चालकों से स्टेयरिंग छोड़ने की अपील की गई है। साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर कोई चालक साथ नहीं देता है तो समय पड़ने पर संगठन उनके साथ मदद के लिए खड़ा नहीं होगा। नेताओं ने कहा कि सभी चालक रात में ही अपने-अपने वाहनों को सुरक्षित जगह खड़े कर दें। फिर अपने घर चले आएं। बुधवार सुबह से ही स्टेयरिंग छोड़ो हड़ताल की शुरूआत हो जाएगी। जब तक केंद्र सरकार की ओर से कानून में सहूलियत दिए जाने की लिखित चिट्ठी नहीं मिल जाएगी। तब तक हड़ताल भी जारी रहेगी। जब तक इसमें सुधार नहीं होता तब तक चालक सुरक्षित नहीं है। जो भी वाहन चालक इस आंदोलन में सहयोग नहीं करेगा। वह भविष्य में होने वाली समस्याओं का खुद ही जिम्मेदार होगा। अध्यक्ष पिंदर सिंह सिद्धू ने बताया कि आंदोलन शहर के कांशीराम कॉलोनी के पास बुधवार सुबह से शुरू हो जाएगा। सिख संगठन अध्यक्ष गुरुपाल सिंह ने बताया यह कानून आम जनमानस पर भी लागू है। लेकिन इसका विरोध सिर्फ ट्रक, बस चालक ही कर रहे हैं। बैठक में चालक सत्रोहन लाल, रामू शाह, विनोद पाल, बबलू सिंह, अरविंद कुमार, प्रदीप कुमार, सर्वेश कुमार, अरविंद यादव आदि मौजूद रहे।

जबरदस्ती करने पर होगी कार्रवाई

आंदोलन को देखते हुए समुचित पुलिस बल लगाया जाएगा। एसपी चक्रेश मिश्र ने बताया कि अपनी इच्छा से वाहन संचालित करने वाले किसी भी चालक को जबरन रोका नहीं जाएगा। अगर किसी दशा में ऐसा होता है तो पुलिस चालक की मदद करेगी। चालक के साथ जबरदस्ती करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन विभाग की चलेंगी बसें

परिवहन विभाग के चालक दीपक मिश्र ने बताया कि अभी तक निगम के चालकों ने स्टेयरिंग छोड़ने का कोई मन नहीं बनाया है। वह किसी हड़ताल पर नहीं रहेंगे। अगर संगठन के उच्चाधिकारियों का निर्देश आता है। तो उस निर्देश को तुरंत ही माना जाएगा।

इन पर पड़ सकता है असर

ट्रकों की हड़ताल होने से सब्जियों के दामों पर खासा असर देखने को मिल सकता है। अधिकांश सब्जियां गैर प्रांत से जिले में आती हैं। ऐसे में लोगों को समस्या हो सकती है। इसके साथ ही घरेलू ईंधन सप्लाई, गन्ना सेंटर, भवन निर्माण आदि कार्यों पर हड़ताल का असर पड़ सकता है। वैसे देखा जाए तो चालकों को भी काफी आर्थिक नुकसान इस हड़ताल से उठाना पड़ सकता है।

मो. शमी व एथलीट पारुल को अर्जुन पुरस्कार मिलने पर सीएम योगी ने दी बधाई, बोले- आप हमारा गौरव हैं

लखनऊ। दिल्ली में आयोजित समारोह में क्रिकेटर मो. शमी और एथलीट पारुल चौधरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें बधाई दी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्वारा उत्तर प्रदेश के दो खिलाड़ियों क्रिकेटर मो. शमी और एथलीट पारुल चौधरी को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के अवसर पर दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्रिकेटर मो. शमी को अर्जुन अवार्ड दिए जाने पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया, %राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा आज नई दिल्ली में %राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2023% के अंतर्गत, %क्रिकेट विश्वकप 2023% में अपने अद्वितीय प्रदर्शन से विश्व-पटल पर मां भारती को गौरवभूषित करने वाले, उत्तर प्रदेश निवासी प्रख्यात गेंदबाज मो. शमी को प्रतिष्ठित %अर्जुन पुरस्कार-2023 से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई। आपकी यह अविस्मरणीय उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। इसी तरह मुख्यमंत्री योगी ने एथलीट पारुल चौधरी को पुरस्कार दिए जाने पर लिखा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा नई दिल्ली में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2023 के अंतर्गत, एथलेटिक्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने वाली उत्तर प्रदेश की बेटी पारुल चौधरी को अर्जुन पुरस्कार-2023 से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई। आप हमारा गौरव हैं। आपके उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत मंगलकामनाएं।

कारसेवकों के खून से सना है 90 के दशक का राम मंदिर आंदोलन, पढ़ें ये वाक्या

अयोध्या। अयोध्या में बन रहे भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण के लिए अनेक रामभक्तों ने जन्मभूमि की मुक्ति के लिए अपने जीवन की आहुति दी। 30 अक्तूबर 1990 को साधु-संतों के साथ बड़ी संख्या में कारसेवक अयोध्या पहुंच गए। इनके आने का सिलसिला जारी था। यहां देश भर से आए कारसेवकों की भारी भीड़ जुट गई थी। प्रशासन ने अयोध्या में किसी के भी प्रवेश पर पाबंदी लगा रखी थी। विवादित परिसर के डेढ़ किमी के दायरे में बैरिकेडिंग थी। इस बीच कारसेवकों की भीड़ बेकाबू हो गई। 30 अक्तूबर को पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद अयोध्या ही नहीं पूरे देश में तनाव का माहौल हो गया।

18 जनवरी से अयोध्या नहीं जा सकेंगे भारी वाहन, मुख्यमंत्री ने समीक्षा के बाद लिया निर्णय

एजेंसी

लखनऊ। एडीजी यातायात बीडी पॉल्सन ने बताया कि 15 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर अयोध्या जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ती है, तो भारी वाहनों को दूसरे रास्तों पर डायवर्ट किया जाएगा। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले 18 जनवरी की सुबह से अयोध्या की ओर भारी वाहन नहीं जा सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मकर संक्रांति की जगह 18 जनवरी की सुबह से भारी वाहनों के डायवर्जन की योजना को लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही, अयोध्या जाने वाले चार प्रमुख राजमार्गों और चरण पादुका यात्रा के लिए ग्रीन कॉरीडोर बनाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने लखनऊ,

गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज से अयोध्या जाने वाले रास्तों पर 22 जनवरी को अति विशिष्ट अतिथियों के आवागमन के लिए ग्रीन कॉरीडोर की तरह व्यवस्था करने को कहा है। इसके अलावा चरण पादुका यात्रा मार्ग को भी इसी तरह सुरक्षित बनाने को कहा है। बता दें कि धर्मनगरी चित्रकूट से भगवान राम की चरण पादुका लेकर अयोध्या के लिए 15 जनवरी से यात्रा शुरू होगी। साधु-संतों की यह यात्रा कौशांबी, प्रयागराज के रास्ते अयोध्या तक जाएगी। फिलहाल अयोध्या में 22 जनवरी के आयोजन के मद्देनजर निजी वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित नहीं किया गया है। एडीजी यातायात बीडी पॉल्सन ने बताया कि 15 जनवरी को मकर संक्रांति के अवसर पर अयोध्या जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ती है, तो भारी वाहनों को दूसरे रास्तों पर डायवर्ट किया जाएगा।

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों हेतु विशेष शिविर का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का शत प्रतिशत लाभार्थियों को लाभ पहुंचने के उद्देश्य से विकास खंड सरोजनी नगर की ग्राम पंचायत खुर्रमपुर के पंचायत भवन में विशेष शिविर का किया गया आयोजन किया गया। शासन द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे- वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित, विधवा पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, आयुष्मान कार्ड, मातृत्व लाभ, पोषण मिशन, स्वच्छ शौचालय, राशन कार्ड, मनरेगा, पी0एम0 किसान सम्मान, पी0एम0 आवास, सी0एम0 आवास आदि अन्य समस्त योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभार्थियों को आच्छादित कराये जाने के उद्देश्य से मंगलवार को विकास खण्ड- सरोजनीनगर की ग्राम पंचायत खुर्रमपुर के पंचायत भवन में मध्यान्ह 12ः00 बजे से अपरान्ह 04ः00 बजे तक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिविर में लगभग 265 व्यक्ति उपस्थित हुये। जिसमें वृद्धावस्था पेंशन के 25, दिव्यांग पेंशन के 06, विधवा पेंशन के 20, आवास हेतु 17, शौचालय के 11, किसान सम्मान निधि के 32, आयुष्मान कार्ड के 05 एवं राशन कार्ड के 06 कुल 122 आवेदन पत्र प्राप्त हुये जिनकी समस्याओं को सुना गया। इसमें समाज कल्याण विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायतीराज विभाग, आपूर्ति विभाग, कृषि विभाग, बाल विकास विभाग एवं राजस्व विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही जिन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना।।

सीएम योगी बोले: अयोध्या में खुलेगा विश्व का पहला सेवन स्टार शाकाहारी होटल, दुनिया के लिए मॉडल होगा यह शहर

संवाददाता

लखनऊ। योगी ने बताया कि अयोध्या के विकास के लिए कई वर्षों की प्लानिंग के साथ सरकार काम कर रही है। आठ नए होटल यहां बन रहे हैं। इसके अलावा 25 के प्रस्ताव मिले हैं। जिसमें कई फाइव और सेवन स्टार होटल शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि अभी अयोध्या के बदलने की शुरुआत है, देखते जाइए। आने वाले समय में यहां कई ऐसे मॉडल लागू होंगे जो पूरे देश के लिए नजीर बनेंगे। राम के धाम के भीतर विश्व स्तरीय विकसित महानगर जैसा इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है तो इसके बाहरी हिस्से को भी हर तरह की सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। अयोध्या को लेकर देश-दुनिया उत्सुक है, नई उमंग है, इस भाव को अनवरत बनाए रखना होगा। योगी ने बताया कि अयोध्या के विकास के लिए कई वर्षों की प्लानिंग के साथ सरकार काम कर रही है। आठ नए होटल यहां बन रहे हैं। इसके अलावा 25 के प्रस्ताव मिले हैं। जिसमें कई फाइव और सेवन स्टार होटल शामिल हैं। देश में पहली बार सेवन स्टार शाकाहारी होटल यहीं पर खुलने जा रहा है। आज इसकी फ्रांस में घोषणा हो रही है। डिजीटल टूरिस्ट मैप यहां आने वालों का मददगार बनेगा। राम के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव में अयोध्या स्वच्छ और दिव्य कुंभ की तरह दिखेगी। सीएम योगी मंगलवार को यहां सर्किट हाउस के सभागार में संवाददाताओं से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने लंबा समय यहां बिताया या फिर चार-पांच वर्ष बाद आए उन्हें नई अयोध्या नजर आ रही होगी। सिर्फ आस्था का सम्मान नहीं किया

जा रहा, ढेर सारे लोगों के लिए आजीविका के माध्यम भी उपलब्ध हो रहे हैं। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी और प्रयागराज जैसे महानगरों के साथ फोर लेन की कनेक्टिविटी हो गई है। 15 जनवरी तक रेल लाइन का दोहरीकरण हो जाएगा। एयर कनेक्टिविटी की शुरुआत हो ही चुकी है। यहां के हवाई अड्डे पर आठ बड़े प्लेन उतर सकते हैं। इसके विस्तार की भी तैयारी है।

विकास से रोजगार सृजन की संभावना को विराट स्वरूप मिला

उन्होंने कहा कि अयोध्या के अंदर हाल के वर्षों में बहुत विकास हुआ है। पार्किंग की सुविधा उपलब्ध हो गई है। ऐसे में रोजगार सृजन की संभावना को विराट स्वरूप मिला है। टैक्सी, नाविक, दुकानदार और फूल व प्रसाद बेचने वालों की आजीविका बढ़ी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटकों के आने से इसमें लगातार इजाफा ही होगा। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की सहूलियत के लिए 22 भारतीय के साथ संयुक्त राष्ट्र की नौ सूचीबद्ध भाषाओं में संकेतक लगवाए जा रहे हैं। शहर में बिजली संचालित बस सेवा शुरू होने जा रही है।

जो दस साल पहले होना चाहिए था वो अब हो रहा

सीएम ने कहा कि अयोध्या में अपनी तरह का बिल्कुल अलग बहुमंजिली पार्किंग का मॉडल दिया गया है। जहां पर एक ही जगह पार्किंग के साथ व्यावसायिक स्थान, भोजनालय और डॉरमेट्री की सुविधा मिलेगी। ये भवन सड़क चौड़ीकरण के बाद व्यापारियों के पुनर्वास के भी माध्यम बनेंगे। यह देश की पहली सोलर सिटी होगी। जो काम अयोध्या में दस साल पहले हो जाने चाहिए थे वो अब हो रहे हैं।

लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज व गोरखपुर को जोड़कर विकसित होगा ग्रीन कॉरिडोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा और उसके बाद देश-विदेश से आने वाले भक्तों के लिए लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज व गोरखपुर को जोड़कर ग्रीन कॉरिडोर विकसित होगा। यहां से आने वाले रामभक्तों को हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सभी हाइवे पर पुलिस की पेट्रोलिंग रहेगी। एंबुलेंस समेत अन्य आकस्मिक सेवाएं भी मिलेंगी। किसी को कोई दिक्कत नहीं होने दी जाएगी। यहां पर रोजाना 50 हजार लोगों के रूकने की व्यवस्था की जा रही है।

22 को प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थान और शराब की दुकानें बंद रहेंगी

योगी ने बताया कि 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव पर प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थान और शराब की दुकानें बंद रहेंगी। 16 से 22 तक हर शहर, हर गांव उत्सव मनाएगा। सभी मंदिरों में अखंड रामायण पाठ और रामनाम कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। दीप जलाए जाएंगे। इस वर्ष के 22 जनवरी जैसा उत्सव अब हर वर्ष दीपोत्सव की तर्ज पर मनाया जाएगा।

शायर मुनव्वर राणा की तबियत ज्यादा बिगड़ी, वेंटीलेटर में किया गया शिफ्ट, बेटी बोली- उनके लिए दुआ कीजिए

एजेंसी

लखनऊ। मशहूर शायर मुनव्वर राणा की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई है। आईसीयू के बाद उन्हें अब वेंटीलेटर में शिफ्ट किया गया है। मशहूर शायर मुनव्वर राना को गंभीर हालत में मंगलवार को एसजीपीजीआई में भर्ती कराया गया। वे कुछ समय से गंभीर समस्याओं से पीड़ित हैं। दो दिन पहले उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर पीजीआई के नेफ्रोलॉजी विभाग में शिफ्ट कराया गया। नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नारायण प्रसाद ने बताया कि मुनव्वर राना किडनी के रोग से पीड़ित हैं। उनकी डायलिसिस होती रहती है। उन्हें दिल और फेफड़े से संबंधित समस्याएं हैं। इसके अलावा सीओपीडी से भी पीड़ित हैं। मौसम बिगड़ने पर उनकी तकलीफ बढ़ जाती है। इससे भी उनकी स्थिति थोड़ी गंभीर है। फिलहाल उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। डॉक्टरों की टीम उन पर नजर रखे है। उनकी बेटी ने इस बारे में जानकारी दी। बेटी सुमैय्या राणा ने लोगों से उनके पिता के लिए दुआ करने की गुजारिश की है। मालूम हो कि मुनव्वर राणा अपनी शायरियों की वजह से देश-दुनिया में मशहूर हैं।

यूपी में कोहरे का असर- चार उड़ाने हुईं निरस्त

कई पहुंचीं विलंब से, आठ घंटे तक लेट पहुंच रही हैं ट्रेनें

एजेंसी

लखनऊ। कोहरे का असर यातायात पर पड़ रहा है। मंगलवार को कोहरे की वजह से ट्रेन और विमान दोनों ही लेट पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट पर चार उड़ाने निरस्त हुईं। कोहरे के चलते मंगलवार को हवाई और रेल संचालन प्रभावित हुआ। इसमें चार उड़ानें निरस्त हुई तो कई लेट हुईं। यही हाल ट्रेनों का भी रहा। यह भी कोहरे के चलते घंटों लेट रहीं। कोहरे के चलते मंगलवार को लखनऊ से आगरा और वाराणसी की आने-जाने वाली चार उड़ानें रद रहीं। अमौसी एयरपोर्ट से आगरा जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई7928 मंगलवार को निरस्त रही। आगरा से आने वाली उड़ान 6ई7932 भी निरस्त रही। अमौसी एयरपोर्ट से वाराणसी जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई7741 और वाराणसी-लखनऊ की उड़ान 6ई7739 भी निरस्त रही। इनके अलावा कई उड़ानें घंटों लेट रहीं। दूसरी ओर कोहरे की वजह से ट्रेनों की लेटलतीफी ज्यादा हो गई है। मंगलवार को गाड़ी संख्या 15026 आनंद विहार-मऊ एक्सप्रेस 14 घंटे तक लेट रही। इसके अलावा 12 और ट्रेनें भी देरी का शिकार हुई।

लेट हुईं उड़ानें

यूके692 लखनऊ-अमृतसर 01ः20 घंटा
6ई2194 लखनऊ-चंडीगढ़ 02ः55 घंटा
6ई2683 लखनऊ-दिल्ली 40 मिनट
6ई2319 दिल्ली-लखनऊ 50 मिनट
एफजेड444 लखनऊ-दुबई 02ः02 घंटा
आईएक्स193 लखनऊ-दुबई 50 मिनट
एफजेड443 दुबई-लखनऊ 02 घंटा
6ई1908 दुबई-लखनऊ 04ः40 घंटा

यह गाड़ियां लेट

09452 भागलपुर-गांधीधाम 12ः30 घंटा
14854 मरूधर एक्सप्रेस 05ः45 घंटा
12556 गोरखधाम एक्सप्रेस 07ः30 घंटा
13414 फरक्का एक्सप्रेस 04ः30 घंटा
13240 कोटा-पटना 04 घंटा
12370 कुंभ एक्सप्रेस 02ः30 घंटा
19313 इंदौर-पटना एक्सप्रेस 02ः30 घंटा
18103 अमृतसर-जलियावाला बाग 02 घंटा।

सम्पादकीय

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: ताइवान का सिने इतिहास विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: ताइवान का सिने इतिहास

ताइवान में सिनेमा का आगमन बहुत पहले हो गया था। जापानियों ने यहां सिने-प्रदर्शन किया। शुरू में यहां केवल प्रोपगंडा फिल्में बनीं और दिखाई जा रही थीं। सिनेमा सरकार के नियंत्रण में था और सेंट्रल मोशन पिक्चर कॉरपोरेशन के अंतर्गत बन रहा था।पूर्वी एशिया में ताइवान द्वीप तथा कुछ और द्वीपों के समूह का नाम है, चीनी गणराज्य। यही ताइवान के नाम से भी जाना जाता है। 1949 में चीन के गृहयुद्ध के बाद ताइवान अलग हो गया मगर अभी भी चीन के दबदबे में है। विश्व की एक सबसे बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह अभी तक संयुक्त राष्ट्रसंघ का सदस्य नहीं है। इसी ताइवान में सिनेमा का आगमन बहुत पहले हो गया था। जापानियों ने यहां सिने-प्रदर्शन किया। शुरू में यहां केवल प्रोपगंडा फिल्में बनीं और दिखाई जा रही थीं। जापानी उपनिवेश कानून के अंतर्गत बीसवीं सदी के साठ-सत्तर के दशक तक ऐसी फिल्में यहां बनती और दिखाई जाती रहीं। सिनेमा सरकार के नियंत्रण में था और सेंट्रल मोशन पिक्चर कॉरपोरेशन के अंतर्गत बन रहा था। सेंसरशिप का कठोर नियंत्रण था। अस्सी के दशक में मार्शल लॉ ढीला हुआ और ताइवान में सिनेमा की नई लहर आई। अब फिल्में ताइवान के लोगों के बदलते नजरिए को दिखाने लगीं। पहली लहर 1982 से 1990 तक चली और दूसरी लहर 1990 से प्रारंभ हो कर अब तक जारी है। इन फिल्मों के कथानक ताइवान के परम्परागत मूल्यों का ह्रास, राष्ट्रवाद का उदय, वास्तविकता, कम्युनिज्म से संघर्ष, मार्शल लॉ के समय में लोगों के अनुभवों पर आधारित होते हैं। एडवर्ड यंग, हो सिआओ-सिएन, वु नेयन-जेन आदि नई लहर सिनेमा के मुख्य निर्देशक रहे हैं।

1994 की फिल्म 'ए बोरोड लाइफ'

वु नेयन-जेन की 1994 की फिल्म 'ए बोरोड लाइफ' एक पारिवारिक गाथा है। इसे निर्देशक ने 1950 के दशक में एक खदान-शहर में स्थापित किया है। पिता-पुत्र के संबंध द्वारा फिल्म पीढ़ियों के नजरिए में आए बदलाव को दिखाती है। वु नेयन-जे चाहते थे कि हो सिआओ-सिएन इस फिल्म का निर्देशन करें। पर वे यह जानते थे कि हो सिआओ-सिएन बहुत व्यस्त हैं। जब उन्होंने यह प्रस्ताव हो सिआओ-सिएन ने सुझाव दिया क्यों नहीं वु नेयन-जेन स्वयं यह कार्य करें, और यही हुआ। स्क्रीनप्ले भी उन्होंने खुद तैयार किया। इस तरह यह फिल्म बनी जिसे सिने-निर्देशक मार्टिन स्कोरसेस अपनी पसंददीदा सूची में रखते हैं।

शुरुआत में ये लोग मिलकर फिल्म बना रहे थे बाद में व्यक्तिगत रूप से फिल्म बनाने लगे।

वान जेन और जेन्ग जुआन्ग सियांग के साथ मिल कर हो सिआओ-सिएन ने 1983 में करीब डेढ़ घंटे की 'द सैंडविच मैन' फिल्म बनाई। यह फिल्म हुआन्ग चुन-मिन्ग की तीन कहानियों का चित्रण है। इसमें आधुनिकरण के दौर में अशिक्षित मजदूर के समक्ष आने वाली चुनौतियां हैं, जापानी वस्तुओं का उपभोक्ताओं पर प्रभाव तथा अमेरिकी सैनिकों का ताइवान जीवन पर असर दिखाया गया है। बोर जेन्ग चेन, यंग ली-यिन, ते-नान लाई आदि ने हास्य, परम्परा की आलोचना आदि को अपने अभिनय से साकार किया है। इसी तरह कई लोगों ने मिल कर 1982 में 106 मिनट की फिल्म 'इन अवर टाइम' बनाई। हो सिआओ-सिएन ने अपने बचपन से प्रेरित होकर 'ए टाइम टू लिव, ए टाइम टू डाई' बनाई। 138 मिनट की यह फिल्म आह-हा-गु नामक लड़के के कमिंग ऑफ एज की कहानी है। यह एक त्रयी का हिस्सा है। त्रयी का प्रथम भाग 'ए समर एट ग्रैंडपा'ज' 1984 में बना, जबकि तीसरा भाग 'डस्ट इन द विंड' 1986 में बना। 'ए टाइम टू लिव, ए टाइम टू डाई' (1985) में जब इस लड़के का परिवार मैनलैंड चीन से ताइवान रहने आता है तो परिवार के प्रौढ़ नए परिवेश में समायोजन केलिए संघर्ष करते हैं, परंतु युवक को आगे बढ़ने में दिक्कत नहीं होती है। वह नए वातावरण से शीघ्र समायोजन कर लेता है। पीढ़ियों की समझ का अंतर इसमें स्पष्ट रूप से दिखाया गया है। प्रौढ़ होने पर यह युवक परिवार तथा परम्परा से दूर होता चला जाता है। फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त हुई। हो सिआओ-सिएन ने 1998 में 'फ्लॉवर्स ऑफ शांघाई' बनाई। 115 मिनट की यह पीरियड फिल्म उन्नीसवीं सदी के अंत में स्थापित है और शांघाई के 'फ्लॉवर हाउसेस' यानि गणिकाओं के घर की कहानी कहती है। फिल्म रोमांस, जलन, ईर्ष्या, तनाव को परदे पर साकार करती है। यहां तेल-लैम्प की सुनहरी रोशनी है, अफीम की पिनक है, पूरा वातावरण नशीला है। मगर यहां की औरतों को इस स्वर्ण-पिंजड़े में ही रहना है, उन्हें इसके बाहर जाने की इजाजत नहीं है। एक रेगुलर ग्राहक मास्टर वान्ग है जिसका मिस्ट्रेस से लंबा संबंध है, मगर बेवफाई का भय सदा बना हुआ है। यह गुजरे जमाने की क्रूरता दिखाती हुई फिल्म दर्शक को हिला देती है।

1967 की फिल्म 'ड्रैगन इन'

इस सदी की बात करें तो ताइवान में कई अच्छी फिल्में बनी हैं। 1967 में 'ड्रैगन इन' नाम से एक मार्शल आर्ट्स की एक फिल्म बनी थी। मगर मैं बात कर रही हूं 2003 में बनी फिल्म 'गुडबाई, ड्रैगन इन' की। 13 पुरस्कारों से सम्मानित साई मिन्ग-लिआन्ग की यह फिल्म थियेटर को दी गई श्रद्धांजलि है। एक एतिहासिक थियेटर में एक अंधेरी तथा बरसती रात में अंतिम बार 1967 की फिल्म 'ड्रैगन इन' दिखाई जा रही है। बहुत थोड़े से दर्शक आए हैं। फिल्म चल रही है और उसके बीच में थियेटर के विभिन्न कर्मचारियों, उसके संरक्षकों का प्रवेश होता है। दो भूत बीते काल का मर्सिया पढ़ते हैं। यह फिल्म हमारे अपने देश के थियेटर के लिए काफी सटीक बैठती है। फिल्म दिखाती है, एक समय यह थियेटर दर्शकों की भीड़ सम्भाल नहीं पाता था, आज यहां कोई झांकने नहीं आता है। थियेटर बंद होने के कगार पर है। फिल्म नॉस्टेल्जिया का सर्वोत्तम नमूना है। ताइवान की नई लहर के सिनेमा के अग्रणी एडवर्ड यंग अमेरिका की फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी गए तो इलैक्ट्रिकल इंजिनियरिंग पढ़ने थे मगर सिनेमा के प्रति खिंचाव ने उन्हें सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी पहुंचा दिया। ऐसा भी समय आया जब उन्हें लगा वे सिनेमा बनाने केलिए नहीं बने हैं। एक रात वे सीटेल में कार चला रहे थे और उन्होंने एक विज्ञापन देखा, विज्ञापन था, 'जर्मन न्यू वेव- अगुरे, द रैथ ऑफ गॉड'। वे सिनेमा थियेटर के भीतर गए और उनका जीवन बदल गया। उन्होंने सिनेमा बनाने की ठान ली। नई लहर के बारे में एडवर्ड यंग कहते हैं यह एक नई दुनिया थी और हम एक-दूसरे को ढेर सारी कहानियां कह सकते थे। एडवर्ड यंग की 2000 की फिल्म 'यी यी' एक साल के समय को समेटती है। इसी एक साल के समय में बात शादी से शुरू होती है और अंतिम संस्कार पर समाप्त होती है। 173 मिनट की इस फिल्म में मुख्य भूमिकाएं वु निएन-जेन, केली ली, जोनाथन चैन्ग ने की हैं। समीक्षकों के अनुसार निर्विवाद रूप से यह गाथा बीसवीं सदी का एक मास्टरपीस है। उनकी फिल्म 1991 की 'ए ब्राइटर समर डे' ने 8 पुरस्कार बटोरे। साई मिंग-लिआंग की 'रेबल्स ऑफ द नियोन गॉड' (1992), चेन यु-सुन की 'ट्रोपिकल फिश' (1995), वांग तुंग की 'स्ट्रावूमन' (1987) तथा चैंग यी की 'कुएइ-मेइ, ए वूमन' (1985), साइ मिंग-लिआंग की 'वाइव ल'अमोर' (1994), कुन-हो चेन की 'ग्रोइंग अप' (1983), वु निएन-जेन की 'ए बोरोड लाइफ' (1994) तथा तैन लाई की 'द पीच ब्लोसम लैंड' ताइवान की कुछ अच्छी फिल्मों के नाम हैं।

ऐसी फिल्में अच्छे नागरिक पैदा करने के बजाय समाज में जानवर ही खड़े करेंगी!

एजेंसी

एनिमल फिल्म रिलीज होने के बाद जब एक दर्शक से रिव्यू लिया गया तो उसका स्पष्ट कहना था कि एनिमल फिल्म को तो %एनिमल% भी नहीं देखना चाहेंगे। यह इतनी घटिया फिल्म है। जब फिल्म घटिया है तो कमाई कैसे कर रही है? क्या समाज बदल गया है? क्या समाज को हिंसा अधिक पसंद आती है? हाल में रिलीज फिल्म एनिमल को देखकर तो यही प्रतीत हो रहा है। बेहद हिंसक फिल्म होने के बावजूद %एनिमल% कमाई के नए कीर्तिमान गढ़ने की ओर बढ़ चली है। निश्चित रूप से यह बेहद चिंता का विषय है। आखिर ऐसी फिल्मों को क्यों मनाया जा रहा है? सरकार के अधीन बैठा सेंसर बोर्ड ऐसी फिल्मों को रिलीज करने की अनुमति कैसे दे देता है? क्या फिल्म जगत अनियंत्रित हो गया है?

यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर सामूहिक रूप से समाज को चिंतन और मंथन करने की जरूरत है। ऐसी फिल्में अच्छे नागरिक पैदा करने के बजाय समाज में जानवर ही खड़े करेंगी।

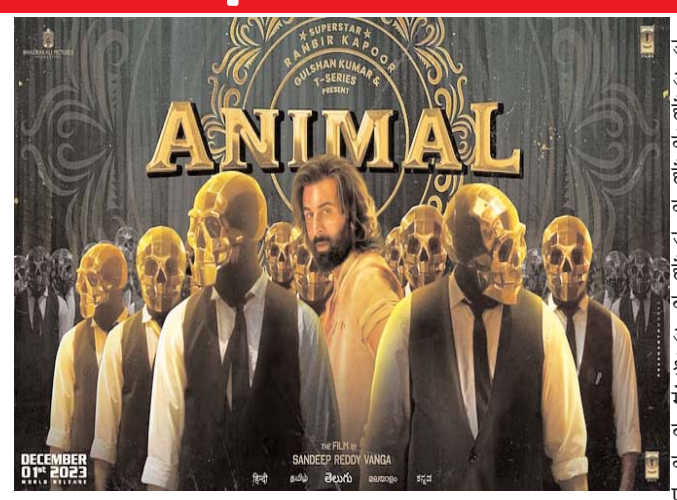

एनिमल फिल्म रिलीज होने के बाद जब एक दर्शक से रिव्यू लिया गया तो उसका स्पष्ट कहना था

एनिमल फिल्म को तो एनिमल भी नहीं देखना चाहेंगे। यह इतनी घटिया फिल्म है। जब फिल्म घटिया है तो कमाई कैसे कर रही है? साफ है कि एक्शन से भरी फिल्मों की ओर भारतीय दर्शक, खासकर युवावर्ग ज्यादा आकर्षित होता है। जब बड़े पर्दे की असफलता का दौर शुरू हुआ तो ओटीटी प्लेटफॉर्म की तरफ फिल्म उद्योग बढ़ गया। ओटीटी पर अच्छे कंटेंट के साथ ही घटिया कंटेंट भी परोसा जाने लगा। ओटीटी की अमर्यादित भाषा को लेकर संसद तक में आवाज उठी, लेकिन उस दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ओटीटी पर आज भी घटिया भाषा धड़ल्ले से

इस्तेमाल हो रही है। सवाल यह उठता है कि सरकार आखिरकार क्या रही है? भारत में हर साल 20 से अधिक भाषाओं में 2000 तक फिल्में बनाई जा रही हैं। यह आंकड़ा हर साल बढ़ता जा रहा है। किसी भी फिल्म को रिलीज से पहले एक प्रमाण पत्र लेना जरूरी होता है। यह प्रमाण पत्र केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड यानी सीबीएफसी देता है, जिसे आमतौर पर सेंसर बोर्ड कहते हैं। सेंसर बोर्ड केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अधीन आता है। फिल्मों को यू, यू/ए, ए और एस प्रमाण पत्र दिए जाते हैं। यू प्रमाण पत्र की फिल्में परिवार के साथ मिलकर सभी वर्ग के लोग देख सकते हैं। यू/ए प्रमाण पत्र की फिल्म विशेष रूप से 12 साल की उम्र से अधिक के बच्चों और वयस्कों के लिए होती है। ए प्रमाण पत्र की फिल्म केवल वयस्कों के लिए होती है, जबकि एस प्रमाण पत्र की फिल्म डॉक्टर, वकील जैसे विशेष वर्ग के लिए होती है। एनिमल फिल्म को सेंसर बोर्ड ने ए प्रमाण पत्र दिया है और इसे क्राइम/एक्शन की श्रेणी में रखा गया है। फिल्म में हिंसा को देखकर दर्शक व्यथित हैं। संसद में कांग्रेस की सांसद रंजीत रंजन ने एनिमल फिल्म को लेकर मुद्दा खड़ा किया। उन्होंने यहां तक कहा कि उनकी बेटी इस फिल्म को बीच में छोड़कर आ गई और फिल्म देखकर रोने लगी। हालांकि, रंजीत रंजन को बाकी सांसदों का कोई खास समर्थन नहीं मिला, जो बेहद चिंता का विषय है। यह सर्वविदित है कि युवा वर्ग फिल्मों के किरदारों से प्रेरित होता है।

हिंसक फिल्में समाज के लिए घातक

यदि ऐसी हिंसक फिल्में, जिसमें मुख्य किरदार ही हिंसक गतिविधियों में शामिल है तो युवा वर्ग किस दिशा में जाएगा? कई साल पहले खलनायक नामक फिल्म आई थी। युवा खुद को खलनायक जैसा बनने पर उतारू हो गए थे। डर और अंजाम जैसी फिल्मों ने एकतरफा प्यार व बदला लेने की भावना को काफी बढ़ावा दिया। ओटीटी पर क्राइम के आइडिया परोसे जा रहे हैं। पुलिस को आए दिन ऐसे क्राइम के मामले मिलते हैं, जो ओटीटी की स्टोरी से प्रेरित होते हैं। फिल्मों में रचनात्मक प्रयोग अवश्य होने चाहिए, लेकिन एनिमल जैसे प्रयोग से फिल्म जगत को बचना चाहिए। समाज को सामूहिक रूप से ऐसी फिल्मों का विरोध दर्ज कराना चाहिए। फिल्मों में हिंसा एक हद तक जायज ठहराई जा सकती है। यदि एनिमल जैसी फिल्में बनती रहीं तो समाज में %एनिमल% जैसा व्यवहार करने

चुनाव के ढंग बदल रहे हैं, अब अंतिम दौर की कवायद पर टिका सब कुछ

एजेंसी

चुनाव अब केवल दोनों पक्षों के भाषणों, नीतियों या घोषणा-पत्रों की लड़ाई नहीं रह गए हैं। अंतिम समय के अभियानों, बूथ प्रबंधन और उदासीन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने की क्षमता से ही आज चुनाव जीते या हारे जा रहे हैं। चुनाव चाहे कोई भी हो, लेकिन खासकर राज्य विधानसभा चुनावों के बाद शोर-शराबा होता ही है। जिन्हें जीत मिली, वे जश्न मनाते हैं और हारने वाले राजनीतिक दलों के समर्थक आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेलते हैं। लेकिन चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद जो शांति दिख रही है, वह सामान्य नहीं है। अगर यह प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के परिपक्व व्यवहार का प्रमाण है तो हम इसका स्वागत कर सकते हैं। लेकिन अगर इसकी वजह कांग्रेस की उदासीनता है तो यह चिंता का विषय है। चलिए, शुरुआत करते हैं मेरे एक गलत अनुमान से। मैंने लिखा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस आ रही है, लेकिन मैं गलत था। कांग्रेस की 35 की तुलना में 54 सीटों के साथ भाजपा को वहां प्रभावी अंतर के साथ जीत मिली। कांग्रेस शुरुआत से ही राज्य पर दावा कर रही थी, जिसे सभी सर्वेक्षणों में माना भी जा रहा था।

	भाजपा मत पड़े/प्रतिशत		कांग्रेस मत पड़े/प्रतिशत	
छत्तीसगढ़	72,34,968	46.27	66,02,586	42.23
मध्य प्रदेश	2,11,13,278	48.55	1,75,64,353	40.40
राजस्थान	1,65,23,568	41.69	1,56,66,731	39.53
तेलंगाना*	32,57,511	13.90	92,35,792	39.40

(*बीआरएस ने 37.35 प्रतिशत की बढ़त हासिल की)

कई लोगों से बातचीत के आधार पर मैं भी इससे सहमत था। लेकिन नतीजों ने भाजपा को छोड़ सभी को हैरत में डाल दिया। यह पता चला कि सामान्य, एससी और एसटी सीटों पर कांग्रेस के वोट शेयर में भारी कमी आई। 2018 में जीतीं एसटी की सभी सीटें गंवाने के साथ ही कांग्रेस ने अपनी हार की कहानी लिख दी।

हालांकि आपको याद होगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के संबंध में कांग्रेस के दावों को मैंने स्वीकार नहीं किया था। राजस्थान में गहलोत सरकार ने अच्छा काम किया था, लेकिन सत्ता विरोधी लहर उनके गले की फांस बन गई। नतीजा यह रहा कि गहलोत सरकार के 17 मंत्री और कांग्रेस के 63 विधायकों को चुनावों में मुंह की खानी पड़ी। इससे मंत्रियों और विधायकों को लेकर जनता की भारी नाराजगी का संकेत मिलता है। जाहिर है कि चुनावी सर्वे जनता की नाराजगी के स्तर को भांप नहीं सके। आखिरकार, 1998 के बाद से राजस्थान के मतदाताओं की कांग्रेस और भाजपा में अदला-बदली करने की आदत जारी रही। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में उल्लेखनीय विफलताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच शिवराज सिंह चौहान ने खासकर महिलाओं को लाभान्वित करने वाली लाडली बहन जैसी कई योजनाएं लागू कीं, जिनका फायदा उन्हें मिला। यह राज्य हिंदुत्व की प्रयोगशाला भी था। आरएसएस और इसके सहयोगी संगठनों ने पूरी सक्रियता के साथ जनता में गहरी जड़ें जमाई थीं। भाजपा सरकार को मध्य प्रदेश से उखाड़ने के लिए संगठन की तरफ से सशक्त प्रयासों की जरूरत थी, लेकिन कांग्रेस ने स्पष्ट तौर पर वैसा कुछ नहीं किया। जबकि भाजपा ने राज्य में केंद्रीय मंत्रियों, मौजूदा सांसदों सहित कद्दावर नेताओं का जमावड़ा एकत्र किया। समय व संसाधनों के भारी निवेश ने स्वाभाविक ही नतीजों को भाजपा के पक्ष में झुका दिया। तेलंगाना में जरूर मैंने बीआरएस सरकार के खिलाफ एक ग्रामीण लहर को महसूस किया था और किसी चमत्कार के होने की संभावना भी जाहिर की थी। के चंद्रशेखर राव को पृथक तेलंगाना राज्य हासिल करने और वहां रायथु बंधु जैसी लाभकारी योजनाएं शुरू करने का श्रेय जाता है, जिनमें किसानों को धन हस्तांतरित किया गया। लेकिन सत्ता का एक ही परिवार में सिमटना, भ्रष्टाचार के आरोप, हैदराबाद केंद्रित विकास, मुख्यमंत्री की खुद को अलग-थलग रखने वाली शख्सियत और चरम बेरोजगारी ने सरकार के खिलाफ एक लहर पैदा की, जिस पर सवार रेवंत रेड्डी ने एक आक्रामक अभियान चलाया और कांग्रेस को जीत दिलाई।

तीन हिंदी भाषी राज्यों में हार मिलने के बावजूद कांग्रेस का वोट शेयर बरकरार रहा। आंकड़े खुद ही बोलते हैं। अच्छी बात यह है कि द्विध्रुवीय प्रतिस्पर्द्धी राजनीति अभी जिंदा है। कांग्रेस का वोट शेयर चारों राज्यों में 40 फीसदी यानी करीब 2018 जितना ही रहा, जो चुनावी लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। दूसरी ओर, भाजपा को चारों राज्यों में वोट शेयर में बढ़त मिली और उसने चारों राजधानियों और शहरी क्षेत्रों की ज्यादातर सीटें जीत लीं। मध्य प्रदेश को छोड़ कर बाकी जगहों पर वोट शेयर में अंतर काफी कम है। छत्तीसगढ़ में 4.04 फीसदी का अंतर आदिवासी वोटों के शिफ्ट होने की वजह से हुआ। यहां अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 भाजपा और 11 कांग्रेस ने जीतीं। राजस्थान में 2.16 फीसदी का अंतर तो और भी कम था।

चुनाव बदल गए हैं

वोट शेयर में जो अंतर रहे, उन्हें समझने के लिए चुनावों की बदलती प्रकृति को समझना जरूरी है। चुनाव अब केवल दोनों पक्षों के भाषणों, रैलियों, नीतियों या घोषणा-पत्रों की लड़ाई नहीं रह गए हैं। इन सभी का महत्व है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं। अंतिम समय के अभियानों, बूथ प्रबंधन और उदासीन मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाने की क्षमता से ही आज चुनाव जीते या हारे जा रहे हैं। इसके लिए हर निर्वाचन क्षेत्र में समय, ऊर्जा और पैसे के भारी निवेश की जरूरत होती है, जो इस बार भाजपा ने कामयाबी के साथ किया। 2024 के लोकसभा चुनाव की ओर बढ़ने के साथ हवा का रुख भाजपा के साथ दिखता है। कम से कम हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा मतदाताओं का ज्यादा से ज्यादा ध्रुवीकरण करते हुए हिंदुत्व के एजेंडे को आगे ले जाने की कोशिश करेगी। इससे संघवाद, धर्मनिरपेक्षता, संस्थागत स्वतंत्रता, व्यक्ति व मीडिया की स्वतंत्रता, मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, निजता और डर से स्वतंत्रता जैसी धारणाओं को नुकसान पहुंच सकता है। यह जरूरी है कि भारतीय लोग अपनी सरकार खुद चुनें, लेकिन लोकतंत्र के बाकी स्तंभों को बचाना भी उतना ही जरूरी है।

हर महीने क्यों घटता-बढ़ता है चंद्रमा, क्या है क्रोधित दक्ष के शाप की कहानी

एजेंसी

क्रोधित दक्ष ने चंद्रमा को शाप दिया कि तुम्हें अपने रंग-रूप और तेज पर बहुत अभिमान है। मैं तुम्हें शाप देता हूं कि तुम क्षय रोग से ग्रस्त हो जाओगे तथा तुम्हारा तेज एवं रूप नष्ट हो जाएगा। दक्ष प्रजापति की बहुत-सी कन्याएं थीं। एक दिन चंद्रमा भ्रमण करते हुए निकला तो उसकी दृष्टि दक्ष की पुत्रियों पर पड़ गई। उन सब में रोहिणी सबसे सुंदर थी। रोहिणी को देखते ही चंद्रमा उस पर आसक्त हो गया। चंद्रमा के तेज एवं सौंदर्य से प्रभावित होकर रोहिणी समेत दक्ष की अन्य छब्बीस पुत्रियों का मन भी चंद्रमा पर आ गया। वे सब चंद्रदेव से विवाह करने की इच्छुक हो गईं। यह जानकर चंद्रमा ने दक्ष के सामने सभी सत्ताईस कन्याओं से विवाह करने का प्रस्ताव रख दिया। दक्ष ने चंद्रमा का प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार करते हुए सभी कन्याओं का विवाह चंद्रमा से कर दिया। चंद्रमा ने दक्ष की पुत्रियों से विवाह तो कर लिया किंतु वह सबसे अधिक प्रेम रोहिणी से करता था। इस कारण चंद्रमा की शेष छब्बीस पत्नियां उपेक्षित महसूस करने लगीं। यह उपेक्षा धीरे-धीरे ईर्ष्या में बदल गई। फिर एक दिन उन्होंने चंद्रमा की शिकायत अपने पिता से कर दी। दक्ष ने सुना तो उन्होंने चंद्रमा से मिलकर उसे समझाया और पक्षपात न करने

का तथा सभी पत्नियों को समान रूप से प्रेम करने का सुझाव दिया। चंद्रमा ने धैर्य से दक्ष की बातें सुनीं परंतु फिर भी रोहिणी के प्रति उसका स्नेह कम नहीं हुआ। कुछ दिन बाद दक्ष को पता लगा कि चंद्रमा ने उनकी अवहेलना की है तो वह क्रोधित हो उठे और उन्होंने चंद्रमा को शाप दे दिया - 'तुम्हें अपने रंग-रूप और तेज पर बहुत अभिमान है और तुमने मेरी अवहेलना की है इसलिए मैं तुम्हें शाप देता हूं कि तुम क्षय रोग से ग्रस्त हो जाओगे तथा तुम्हारा तेज एवं रूप नष्ट हो जाएगा!' दक्ष के शाप का चंद्रमा पर तुरंत प्रभाव हुआ और उसे क्षय रोग हो गया। उस रोग के कारण चंद्रमा का तेज घटता चला गया और अंत में पूरी तरह समाप्त हो गया। अब चंद्रमा के पास न प्रकाश रहा और न ही पहले-सा सौंदर्य! चंद्रमा को मिले इस शाप का प्रभाव संपूर्ण सृष्टि पर भी पड़ने लगा क्योंकि चंद्रमा के प्रकाश के अभाव में पृथ्वी रात्रि के समय अंधकार में डूब गई और काल-गणना भी गड़बड़ाने लगी। सृष्टि के नियमों में उथल-पुथल हुई तो परेशान होकर सभी देवता, चंद्रमा को साथ लेकर भगवान ब्रह्मा के पास पहुंचे और उन्होंने ब्रह्मा से इस समस्या का उपाय पूछा। ब्रह्मा ने कहा कि चंद्रमा को शाप से मुक्ति दिलाने का सामर्थ्य केवल भगवान शिव के पास है। इसलिए उन्होंने चंद्रमा को शिवलिंग स्थापित करने और शिव की उपासना का सुझाव दिया... यह सुनकर चंद्रमा के मन में पुनः स्वस्थ होने की आशा जग गई और उसने पश्चिमी समुद्र के तट पर एक शिवलिंग का निर्माण किया और वहीं बैठकर शिव के नाम का जाप आरंभ कर दिया। काफी समय बीत गया। आखिर एक दिन चंद्रमा की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने चंद्रमा को दर्शन दिए। शिव ने चंद्रमा की इच्छा पूछी तो चंद्रमा ने शिव से वरदान में अपना तेज और सौंदर्य वापस माँग लिया। यह सुनकर शिव दुविधा में पड़ गए। वह बोले, 'मैं प्रजापति दक्ष के शाप को समाप्त तो नहीं कर सकता किंतु उसे संशोधित अवश्य कर सकता हूं। तुम पर दक्ष के शाप का प्रभाव तो होगा किंतु वह प्रभाव स्थायी नहीं होगा। इसलिए तुम्हारी आभा पूर्ण लुप्त होने के बाद अगले दिन से ही फिर बढ़ने लगेगी। तुम पंद्रह दिनों में फिर से दीप्तिमान हो जाओगे। परंतु अगले पंद्रह दिन तक फिर शाप के असर से तुम्हारा तेज घटना शुरू हो जाएगा। इस प्रकार तुम्हारा यह तेज घटता-बढ़ता रहेगा और इसी से माह के शुक्ल और कृष्ण पक्ष बनेंगे। दक्ष से तुम्हारी रक्षा के लिए मैं तुम्हें अपने मस्तक पर धारण करूंगा!' चंद्रमा को अपने शीष पर धारण करने के कारण शिव का नाम 'चंद्रशेखर' पड़ा। चंद्रमा का एक नाम 'सोम' है इसलिए जिस स्थान पर उसने शिव की आराधना की थी, उसे भी पवित्र नाम मिला ॠ सोमनाथ। देश के बारह ज्योतिर्लिंगों में इसकी गिनती होती है।

रोडवेज कर्मचारियों को डीटीओ ने टीबी के लक्षणों के बारे में दी जानकारी

67 कर्मचारियों की हुई स्क्रीनिंग, लिये गए 12 कर्मचारियों के स्पुटम, होगी जांच

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को धरातल पर उतारने के लिए क्षय रोग विभाग की फोकस्ड स्क्रीनिंग और जांच का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. सुनील कुमार त्यागी के कुशल निर्देशन और जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डा. राजेश सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को क्षय रोग विभाग की टीम गढ़मुक्तेश्वर स्थित रोडवेज डिपो पहुंची। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक हेमंत मिश्रा और वरिष्ठ केंद्र प्रभारी गीता गुप्ता की मौजूदगी में टीम ने डिपो में रोडवेज कर्मचारियों का टीबी के बारे में संवेदीकरण करते हुए लक्षणों के बारे में जानकारी दी। बता दें कि विभाग इससे पहले जिले में पड़ने वाले सभी टोल प्लाजा और बाबूगढ़ स्थित अति हिमीकृत वीर्य उत्पादन (डीएफएस) केंद्र पर फोकस्ड स्क्रीनिंग कर चुका है। डीटीओ डा. राजेश सिंह ने बताया कि जिले में सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की जांच और उपचार की सुविधा उपलब्ध है। जरूरत बस इस बात की है कि लक्षण नजर आने के साथ ही स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच करा ली जाए। उन्होंने कहा- कुछ लोग इस बात से डरते हैं कि टीबी की बीमारी की जानकारी होने से समाज उन्हें गलत दृष्टि से देखेगा। ऐसा नहीं है, टीबी की बीमारी भी अन्य बीमारियों की ही तरह है, और किसी को भी हो सकती है। यह बैक्टीरिया के कारण होती है। जांच में टीबी की पुष्टि होने पर तत्काल उपचार शुरू कर दिया जाता है। डीटीओ ने बताया - छह माह के नियमित उपचार से टीबी पूरी तरह ठीक हो जाती है। बस, एक शर्त है उपचार बीच में न छोड़ें और दवा के साथ प्रोटीन और विटामिन युक्त पौष्टिक आहार लेते रहें। बीच में उपचार छोड़ने पर टीबी की सामान्य दवा काम करना छोड़ देती है और टीबी बिगड़ कर मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट (एमडीआर) हो जाती है। उस स्थिति में उपचार और लंबा हो जाता है। जिला पीपीएम समन्वयक सुशील चौधरी ने बताया - क्षय रोगियों को पोषण सहायता के लिए निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत हर माह पांच सौ रुपए की राशि दी जाती है। इसके अलावा यह भी प्रयास किया जाता है कि क्षय रोगी को निक्षय मित्र से जोड़कर पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाए। जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक शर्मा ने बताया - रोडवेज डिपो में करीब चार सौ कर्मचारी हैं, मंगलवार को कुल 67 कर्मचारियों की स्क्रीनिंग की गई और 12 कर्मचारियों का स्पुटम (बलगम का नमूना) जांच के लिए लिया गया। बाकी बचे कर्मचारियों की स्क्रीनिंग के लिए बुधवार को संवेदीकरण और स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया जाएगा। स्क्रीनिंग शिविर में एनसीडी काउंसलर प्रिंसी की देखरेख में कर्मचारियों की शुगर और बीपी की जांच की गई। कार्यक्रम में जिला पीएमडीटी समन्वयक मनोज कुमार गौतम, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक गजेंद्र पाल सिंह और वरिष्ठ लैब पर्यवेक्षक रामसेवक के साथ ही रोडवेज से कार्यालय सहायक अमरीश कुमार, इंद्रेश कुमार और रमन कुमार श्रीवास्तव का भी सहयोग रहा।

समावेशी शिक्षा से समाज के सभी हिस्से के बच्चे एक साथ आगे बढ़ सकेंगे:-सौम्या गुरूरानी

बच्चों को एक समान शिक्षा के साथ आचार-व्यवहार के जागरूक करायें : सी0डी0ओ0

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। जनपद मुख्यालय स्थित एचके लॉन में एचसीएल फाउंडेशन के तत्वाधान में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के संबंध में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का का उदघाटन मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी ने दीप प्रज्वलित कर एवं गणेश प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि समावेशी शिक्षा से समाज के सभी हिस्से के बच्चे एक साथ आगे बढ़ सकेंगे, इसलिए कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है तथा शिक्षा में संवेदनशीलता का समावेश किया जाना चाहिए। उन्होने समावेशी शिक्षा की ओर किये जा रहे कार्यो के प्रति एचसीएल हेड योगेश कुमार एवं उनकी पूरी टीम प्रशंसा करते हुए कहा कि कार्यशाला में उपस्थित अधिकारी शिक्षा एवं कक्षा का माहौल समावेशी बनाने हेतु अपने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के माध्यम से समस्त विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के द्वारा सभी बच्चों को एक समान शिक्षा के साथ आचार-व्यवहार के जागरूक करायें। इस अवसर पर एचसीएल फाउंडेशन के ग्रुप ऑपरेशन हेड योगेश कुमार ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यशाला में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रोहताश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह, जिला दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी ऋचा गुप्ता, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुशील कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार तथा एचसीएल के मानवेंद्र सिंह, आशीष सिंह, श्रेया वेर्मा व प्रिया सिंह सहित अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नज़र

अक्षत वितरण व शोभा यात्रा का कार्यक्रम हुआ संपन्न

द अचीवर टाइम्स संवाददाता- सुशील अवस्थी

सदरपुर(सीतापुर)। श्री राम जन्मभूमि अक्षत वितरण और घर-घर सम्पर्क हेतु चलाये जा रहे कार्यक्रमों की कड़ी में आज क्षेत्र के गोड़ैचा चौराहा पर एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस मौके पर जय सिया राम के ओजस्वी उद्घोषों से पूरा परिवेश राम मय हो गया। जानकारी के अनुसार सदरपुर थाना क्षेत्र के मुख्य कस्बा गोड़ैचा चौराहे पर आज संघ, विश्व हिन्दू परिषद,व अन्य सभी राम भक्तों के द्वारा एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा गोड़ैचा चौराहे के अलावा गोड़ैचा गाँव से घूमती हुई दुर्गा मन्दिर पर सम्पन्न हुई। इस यात्रा के माध्यम द्वारा जन-जन से श्री राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन अपने अपने घरों में देव दीपावली मनाने व भजन कीर्तन करने का आग्रह किया गया। क्षेत्र के सभी मठ मन्दिरों व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर एकत्र होकर परिवेश को श्री राम मय करने का भी आग्रह किया गया। जगह जगह पुष्प वर्षा के माध्यम से शोभायात्रा का स्वागत हुआ। इस यात्रा के सूत्र धार नैमिष जी व उनके सहयोगी अनिल जी रहे। इस अवसर पर संघ के जिला कार्यवाह देवेंद्र जी, जिला प्रचारक सुरेन्द्र जी, विहिप के कृतार्थ मिश्र खण्ड प्रचारक हिमांशु,खण्ड कार्यवाह अनुज,सुनील वर्मा, डाक्टर लोक पति, वीरेंद्र गुप्ता रुचि गुप्ता उमाशंकर कोरी, विशाल गुप्ता, दिलीप गुप्ता, शुभम सोनी, राजा गुप्ता, घनश्याम गुप्ता गुरुनाम सिंह वर्मा ,जमुना प्रसाद ,दर्शन बाबू आदि लोग यात्रा में शामिल हुए दुर्गा मन्दिर पर आरती व प्रसाद वितरण के पश्चात शोभायात्रा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए आनंदा डेयरी ने प्रसाद रूपी भेजा 1950 किलो देशी घी

उप जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर गाड़ी को किया रवाना

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। मंगलवार को पिलखुवा के खैरपुर खैराबाद स्थित आनंद डेयरी प्राइवेट लिमिटेड ने 1950 किलो देशी घी से भरे 130 टीनो को अनुदान के रूप में अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में होने वाले भव्य उत्सव में प्रसाद व हवन कुंड में देने के लिए भेजा गया। तो वही देशी घी से भरे 130 टीनो के वाहन को पूजा अर्चना के साथ वाहन के सम्मुख डायरेक्टर राहुल दीक्षित व सुनीता दीक्षित ने नारियल फोड़ते हुए आनंद डेरी के प्रांगण से उप जिलाधिकारी संदीप सिंह ने ने हरी झंडी दिखाकर व श्री राम के उद्घोष से गाड़ी को रवाना किया गया। तो वही आनंदा डेयरी के डायरेक्टर राहुल दीक्षित ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित किया गया जायेगा और आनंदा डेयरी लिमिटेड के माध्यम से भगवान श्री राम की सेवा के लिए जो भी उनसे सेवा हो सकती है वो उस सेवा को बढ़ चढ़कर करेंगे। आज आनंद डेरी लिमिटेड द्वारा 1950 किलो देशी घी से भरे 130 टीनो के वाहन को अयोध्या के श्री राम मन्दिर के लिए भेजे है जिसका वहां अयोध्या में होने वाले हवन कुंड व प्रसाद आदि में उपयोग किया जाएगा। जिसकी तैयारी जोर-जोर से चल रही है और हमें खुशी है यह सब हमारे 2 लाख किसानों और तीन हजार डिस्ट्रीब्यूटरो की वजह से यहां तक पहुंचे हैं जो देसी घी से भरे 130 टीनो को अयोध्या श्री राम मंदिर के लिए भेजा है।

पुराने लखनऊ में राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज टूड़ियागंज के छात्र छात्राओं को मिले स्मार्ट फोन व टैबलेट, तो छात्र छात्राओं के खिल उठे चेहरे!

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । स्वामी विवेकानंद युवा यशक्ति करण योजना के अंतर्गत आयुष मंत्री डॉक्टर दयाशंकर मिश्र दयालु ने कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं को स्मार्ट फोन वितरित किए, उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को डिजिटल रूप से सक्रिय बनाने हेतु तथा प्रदेश के युवाओं की तकनीकी सशक्तिकरण से जोड़ने हेतु अग्रसर है। बता दे इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर शची श्रीवास्तव ने किया, कार्यक्रम में प्रमुख सचिव श्रीमती लीना जोहरी, विशेष सचिव हरिकेश चौरसिया,निदेशक आयुर्वेद डॉक्टर प्रकाश चंद्र सक्सेना, प्रधानाचार्य एवं अधीक्षक डॉक्टर माखनलाल, डॉ राज बहादुर यादव, चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर धर्मेंद्र, व समस्त शिक्षक चिकित्सक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद राजि.की बैठक हुई संपन्न

संगठन का विस्तार को लेकर कई समस्याओं पर हुई चर्चा

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर । जिला कार्यालय खिरनीवाग कालीबाड़ी मंदिर पर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद संघ की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में एवं जिला अध्यक्ष फसाद खान की अध्यक्षता में सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गणों के बीच सह कुशल संपन्न हुई संगठन हुआ विस्तार जिला अध्यक्ष फसाद खान ने कहा राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद संघ के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गण हमारी रीड की हड्डी के समान है सभी पदाधिकारी एवं सदस्य गण एक दूसरे का साथ सहयोग प्रदान करें एक दूसरे का साथ बना रहे मुझे उम्मीद है कवरेज करने के दौरान कोई परेशानी नहीं आएगी निष्पक्ष पत्रकारिता करते है करते रहेंगे सभी कलमकारों को बहुत बहुत धन्यवाद दिया इस बीच मौजूद रहे जिला अध्यक्ष फसाद खान, नरेंद्र राना जिला उपाध्यक्ष विधिक सलाहकार शक्ति कनौजिया , प्रवक्ता प्रभात कुमार,रामबीर कनौजिया ,महेश द्विवेदी,रोहित शुक्ला ,टिंकू कनौजिया,मनोज कुमार ,गगन द्विवेदी, राहुल यादव आदि सैकड़ों पदाधिकारी एवं सदस्य गण मौजूद रहे।

निमंत्रण मिलने से संत-महात्मा खुश

बाराबंकी। श्रीरामजन्मभूमि अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जिले के विभिन्न पंथों, आश्रमों के महंतों से लेकर पूर्व मंत्री को निमंत्रण पहुंचा तो वह खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। साथ ही इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए अयोध्या जाने की तैयारियों में जुट गए हैं। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री राजेश, प्रांत धर्माचार्य संपर्क प्रमुख विमल, विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश व जिला मंत्री राहुल कुमार वर्मा ने मंगलवार को शहर स्थित पतंजलि योग आश्रम के संत स्वामी चेतनानंद महाराज को अयोध्या में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र दिया और संत से 20 जनवरी को ही अयोध्या पधारने के लिए आग्रह किया। मसौली प्रखंड के मुंजापुर स्थित कबीर मठ के प्रसिद्ध संत पूज्य निष्ठ साहब के प्रतिनिधि प्रभात दास को विहिप के विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश, जिला मंत्री राहुल कुमार, विहिप संरक्षक रामनाथ मौर्य ने आमंत्रण पत्र सौंपा।

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने तत्कालीन अधिशासी अभियंता एसडीओ समेत 5 के खिलाफ किया मुकदमा दर्ज

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के गांव सलाई में विवादित भूमि पर नलकूप कनेक्शन देने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने तत्कालीन अधिशासी अभियंता एसडीओ समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है। आपको बता दे दरअसल मामला विवादित भूमि से जुड़ा है। कमालपुर निवासी नफीस अहमद ने बताया कि उसकी गांव सलाई में खेती की जमीन है जिसका किसी से विवाद चल रहा है। हाईकोर्ट से स्टे भी था लेकिन इसके बावजूद भी फर्जी सहमति शपथ पत्र और कूट रचित दस्तावेज तैयार कर विवादित भूमि पर नलकूप का कनेक्शन ऊर्जा निगम के अधिकारियों ने दे दिया।जानकारी के अनुसार उसने ऊर्जा निगम के अधिकारियों को भी मामले से अवगत कराया। लेकिन अधिकारियों ने उसकी एक न सुनी और नियमों का दरकिनार कर कनेक्शन दे दिया जिसके बाद पीड़ित ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर तत्कालीन अधिशासी अभियंता रमेश कुमार कृष्णानी वर्तमान में अधीक्षण अभियंता, एसडीओ देवेंद्र कुमार यादव, अवर अभियंता लेखराज सिंह, लाइनमैन जॉनी और जावेद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

धीमी गति के कार्य में तेजी लाकर निर्धारित अवधि मे कार्य को पूर्ण किया जाये-अभिषेक कुमार

❖ 50 लाख से अधिक व 50 लाख से कम लागत के निर्माण कार्य की मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

हापुड़। विकास प्राथमिकता एवं निमार्ण कार्यो की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने संबंधित विभागों के साथ की। मुख्य विकास अधिकारी ने प्रोजेक्ट अलंकार योजना के अंतर्गत प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा विभाग के नियंत्राधीन संचालित राजकीय इंटर कॉलेज सिखेड़ा व ब्रजघाट, होम्योपैथिक चिकित्सालय गढ़मुक्तेश्वर, आईटीआई धौलना/ सिम्भावली/ बडौदा, बाबूगढ पेयजल पुनर्गठन योजना तथा अन्य योजनाओ की समीक्षा कर जनपदी ड्रग वेयर हाउस निर्माण मे बिजली की अस्थाई व्यवस्था कर लेने को कहा और अस्थाई विद्युत व्यवस्था की धनराशि उसी एस्टीमेट में सम्मिलित किया जाए। इसके अलावा मुख्यालय को प्रेषित होने वाले पत्र को नियमित रूप से फ़ालोअप करने के निर्देश देने के साथ संस्थाओं को धीमी गति से कार्य करने पर उन्हें निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाकर निर्धारित अवधि मे कार्य को पूर्ण किया जाए। तथा मुख्य विकास अधिकारी ने 50 लाख से कम धनराशि वाली परियोजनाओं स्वस्थ उपकेन्द्र सरूर्पुर/सलाई, राजकीय इंटर कॉलेज बडौधा, होम्योपैथ चिकित्सालय गढ़मुक्तेश्वर तथा अन्य योजनाओं की समीक्षा की। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारीगण मानक एवं गुणवत्ता सहित लक्ष्य को समय से पूरा करने के लिए प्रभावी रणनीति बनाकर अमल में लाएं। कार्य गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी न होने पाए व संस्थाओं से उनको सौंप गए निर्माण कार्य को ईमानदारी पूर्वक तथा समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा संबंधित संस्था तथा संबंधित विभाग आपस में समन्वय बनाकर निर्माण कार्य पूरा करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी , जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी , जिला समाज कल्याण अधिकारी , जिला कार्यक्रम अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग /विद्युत/ जल निगम / सिंचाई सहित अन्य संबंधी अधिकारी उपस्थित रहे।

10 जनवरी से 25 जनवरी के मध्य किया जायेगा निःशुल्क खाद्यान्न वितरण

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। जिला पूर्ती अधिकारी कमल नयन सिहं ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत माह जनवरी, 2024 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न को अन्त्योदय कार्डधारकों को 14 कि0ग्रा0 गेहूँ व 21 कि0ग्रा0 चावल (कुल 35 कि0ग्रा0 प्रति कार्ड) एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 02 कि0ग्रा0 गेहूँ व 03 कि0ग्रा0 चावल (कुल 05 कि0ग्रा0 प्रति यूनिट) का निःशुल्क वितरण 10 जनवरी से 25 जनवरी 2024 के मध्य किया जायेगा। खाद्यान्न के वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विकेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। उक्त योजनान्तर्गत वितरण की अन्तिम तिथि 25 जनवरी 2024 होगी, जिस दिन आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न कर सकने वाले उपभोक्ताओं हेतु मोबाईल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण सम्पन्न किया जा सकेगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम का हुआ आयोजन

द अचीवर टाइम्स निशांत शुक्ला

हरदोई। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम विकास खण्ड हरपालपुर के ग्राम नगरा चौधरपुर व तिथिगवां में माननीय विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह जी एवं माननीय ब्लाक प्रमुख अनोखे लाल कश्यप जी द्वारा यात्रा कार्यकम का शुभारम्भ किया गया। माननीय विधायक जी द्वारा कार्यकम स्थल पर कृषि, आगनवाडी, स्वास्थ्य विभाग के स्टालो का निरीक्षण किया गया । माननीय प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को स-समय योजनाओं का लाभ देकर विकास की मुख्य धारा में जोडना है। इसको ध्यान में रखते हुये माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा कई योजनाये संचालित की गई। पी0एम0 किसान योजना देकर किसानो का सम्मान बढाया है। तो वही उज्जवला योजना के अन्तर्गत गैस कनेक्शन व सिलेण्डर देकर महिलाओं का भी सम्मान बढाया गया है तो वहीं आयुष्मान कार्ड योजना से गरीबो का निशुल्क उपचार हो रहा है। कार्यकम में समस्त लोगो को विकसित भारत की शपथ भी दिलाई गयी। यात्रा कार्यकम स्थल पर ग्राम प्रधान, प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र, खण्ड विकास अधिकारी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि, भाजपा के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे। उनके द्वारा केन्द्र व राज्य सरकर द्वारा चलाई जा रही समस्त योजनाओं की जानकारी दी गई। विकास खण्ड कोथावां के ग्राम काकूपुर व रायपुर में माननीय विधायक रामपाल वर्मा जी द्वारा यात्रा कार्यकम में प्रतिभाग किया गया। उनके द्वारा ग्राम वासियों को गरीबों, महिलाओं, किसानो, नौजावानो के उत्थान हेतु चलाई जा रही समस्त योजनाओं की जानकारी दी गई। माननीय प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को स-समय योजनाओं का लाभ देकर विकास की मुख्य धारा में जोडना है। महिला, किसान, नौजवान के सशक्तीकरण होने पर ही विकसित राष्ट्र का संकल्प पूरा होगा। किसान आधारित प्रदेश में जब किसान खुशहाल होगा तब देश खुशहाल होगा। इस हेतु समस्त अधिकारी/कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से कार्य कर समस्त पात्र व्यक्तियो को समस्त योजनाओं से लाभान्वित करे। उन्होने कहा कि विगत कई दशकों से जो कार्य नहीं हुये थे। वो कार्य माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा कराये गये है। यात्रा कार्यकम में उपस्थित समस्त लोगो को विकसित भारत की शपथ दिलवाई गयी। यात्रा कार्यक्रम स्थल पर ग्राम प्रधान, प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र, खण्ड विकास अधिकारी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि, भाजपा के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे। विकास खण्ड हरियावां के ग्राम हिगुवापुर व मुरवा में, विकास खण्ड टोडरपुर के ग्राम कपूरपुर बहोरन, वक्शीपुर व हाथीपुर में, विकास खण्ड शाहाबाद के ग्राम काला गाड़ा में, विकास खण्ड बिलग्राम के ग्राम लालपुर कन्हरी व तेरिया में, विकास खण्ड बेहन्दर के ग्राम गोगवां जोत व बकुही में, विकास खण्ड कछौना के ग्राम बालामऊ व वाण में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम आयोजित किये गये । जन प्रतिनिधियों/मुख्य अतिथियों द्वारा कृषि, स्वास्थय, ग्राम्य विकास, आगनबाडी एवं अन्य विभागो द्वारा लगाये गये स्टालो का निरीक्षण किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के स्टाल कार्यकम के मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे, जिसमें ग्राम वासियों की एनीमिया की जांच, शुगर की जांच, बी0पी0 की जांच और अन्य चिकित्सा स्वास्थ्य की जांच निशुल्क की गयी और निशुल्क दवा भी वितरित की गयी। माननीय मुख्य अतिथि जन प्रतिनिधियों द्वारा पीएम कुसुम योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी कृषको को प्रमाण पत्र/स्वीकृत पत्र वितरित किये गये । विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम में कृषि विभाग के कार्मिको द्वारा पीएम किसान योजना के अन्तर्गत ई-केवाईसी, भूलेख अंकन, केसीसी एवं नये पंजीकरण मौके पर कराये जा रहे है। कृषको को श्री अन्न (मिलेट्स) के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई । मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की जानकारी भी दी गई। कृषको को रबी की फसलों की तकनीकी जानकारी के साथ फसलो की लाइन से रोपाई एवं बुबाई के लिये प्रेरित किया गया। कृषको को प्रमाणित बीजो के बारे में जानकारी दी गई उपरोक्त कार्यकम में आज कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं खाद्य आदि विभागों के कर्मचारी/ अधिकारी उपस्थित रहे।

कटनी पुलिस अधीक्षक के साथ-साथ कटनी पुलिस का भी हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर आयोजनः में नेत्र व रक्त चाप आदि का परीक्षण कर दिया गया चिकित्सीय परामर्श

द अचीवर टाइम्स पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी पुलिस लाईन स्थित खेल मैदान में मंगलवार को पुलिस कर्मियों एवं उनके परिजनों हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य परिक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 230 पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारजनों ने अपना चैकअप कराया । कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के निर्देश पर रक्षित केन्द्र कटनी में जिला अस्पताल की टीम डॉ. यशवंत वर्मा , डॉ राममणि पटेल नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ अमित प्यासी, डॉ एडलीना मूर्ति एवं बाबा माधव शाह हास्पिटल के डॉ.आयुष भाषानी(MBBS,), डॉ.सुजाता त्रिपाठी (MBBS,MS) OBGY, GYNECOLOGIST, डा. संगीत मोहन द्विवेदी (क्क.रूस्.) एवं डॉ. शैफाली गुप्ता के सहयोग से पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों हेतु स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 230 अधिकारी/कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों की हृदय से सम्बंधित जांच ईसीजी, रक्त शर्करा, ब्लड शुगर एंव ब्लड प्रेशर, थाईरॉईड, किडनी की जांच, नेत्र सम्बंधित जांचे की गयी तथा निदान एवं चिकित्सकीय सलाह दी गयी।

दवाओं के साथ खान पान आदि के सम्बन्ध में दिए सुझाव

इस दौरान चिकित्सकों ने मरीजों का चिकित्सीय परीक्षण कर आवश्यक सुझाव दिया गया। इसके साथ ही चिकित्सकों ने दवा व मरीजों को खान पान आदि सहित आवश्यक व्यायाम करने की सलाह दिया गया। चिकित्सीय दल में नेत्र सर्जन जिला चिकित्सालय सहित नर्सिंग एवं फार्मासिस्ट स्टॉफ की उपस्थिति रही। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया द्वारा शिविर में पधारें सभी डॉक्टरों का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने अपने संबोधन में कहा

स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है। खासकर पुलिसकर्मियों का स्वस्थ रहना तो और भी जरूरी है। लोगों को बेहतर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए उन्हें स्वस्थ रहना चाहिए। इस अवसर पर एसपी ने स्वास्थ्य शिविर में सभी डॉक्टरों का उनके अमुल्य समय पुलिस एवं उनके परिवारजनों को देने के लिए आभार व्यक्त किया गया। एसपी श्री रंजन ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर तो हर जगह आयोजित होते रहते हैं लेकिन यह स्वास्थ्य शिविर मुख्य रूप से पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित किया गया है क्योंकि पुलिस कर्मचारी के लिए अत्यंत व्यस्तता के चलते अपने स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख पाना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार के मेडीकल कैम्प के आयोजन से समय रहते हमारे पुलिस परिवार के लोग गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। उन्हें प्राथमिक स्तर पर ही बीमारी की जानकारी प्राप्त हो जाती है जिससे वह समय रहते उपचार लेकर स्वस्थ्य रह सकते हैं। हमारा प्रयास होगा कि भविष्य में इस तरह के स्वस्थ्य शिविरों का आयोजन होता रहे, साथ ही स्वास्थ्य शिविर में जिन पुलिसकर्मी को जांच के दौरान कोई गंभीर बीमारी होना पता चलता है तो विभाग द्वारा उसके बेहतर इलाज के लिए हरसंभव मदद की जाएगी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया, सीएसपी ख्याति मिश्रा, एसडीओपी स्लीमनाबाद अखिलेश गौर, डीसीपी आजाक प्रभात शुक्ला, रक्षित निरीक्षक संध्या राजपूत सहित सभी थाना प्रभारी मौजूद रहें। सभी जवानों ने उत्साह के साथ अपनी स्वास्थ्य की जांच कराई।

पुरानी पेंशन योजना बहाली एवं ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन संयुक्त मंच के तत्वावधान में आयोजित

द अचीवर टाइम्स प्रशान्त अवस्थी

लखनऊ। आलमबाग रेलवे कॉलोनी में 08 जनवरी 2024 से 11 जनवरी 2024 चार दिवसीय क्रमिक अनशन में आज द्वितीय दिवस पर आज मंच पर एएलआरएफ/एनआरएमयू के महामंत्री कॉमरेड शिव गोपाल मिश्रा द्धत्र्क्ष के जोनल सेक्रेटरी कॉमरेड एस.यू.शाह, कारखाना मण्डल के मण्डलमंत्री कॉमरेड अनूप बाजपेयी , लखनऊ मण्डल के यशस्वी अध्यक्ष कॉमरेड विभूति मिश्रा का आगमन हुआ। विद्युत कर्मशाला लखनऊ द्वारा हरदिल अजीज शाखामंत्री कॉमरेड मणिकांत शुक्ला के नेतृत्व महामंत्री जी का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत/सम्मान किया गया। महामंत्री जी ने भारी संख्या में उपस्थित विशाल समूह को संबोधित करते हुए कहा आप के जज्बे और जुनून के आगे सरकार को नतमस्तक होना ही पड़ेगा अभी ये चेतावनी है अगर समय रहते पुरानी पेंशन योजना बहाल नहीं हुई तो हम सबको मिलकर हड़ताल के तैयार रहना है उपस्थित क्रान्तिवीर साथियों ने इंकलाबी गगनचुंबी नारों के साथ हाथ उठाकर एक स्वर में कहा कि हम सब अपने महबूब शाखामंत्री कॉमरेड मणिकांत शुक्ला जी के नेतृत्व में आप के मार्गदर्शन में मुकम्मल हड़ताल के लिए तैयार हैं। महामंत्री जी ने क्रमिक अनशन कर रहे साथियों का हौसला अफजाई किया और हृदय से आभार भी व्यक्त करते हुए एकजुटता बनाये रखने का आह्वान किया। मीडिया बंधुओ ने आज लगातार दूसरे दिन भी क्रमिक अनशन को कवरेज करते हुए शाखामंत्री कॉमरेड मणिकांत शुक्ला, शाखाध्यक्ष कॉमरेड प्रताप भानू सिंह, सेंट्रल काउंसिल मेंबर कॉमरेड सौरभ द्विवेदी, यूथ प्रभारी कॉमरेड ओ.पी. आजाद, मीडिया प्रभारी का कॉमरेड विनय सिंह

एक नज़र

सोहावल तहसील परिसर में भाकियू युवा जिलाध्यक्ष अनूप पांडेय नकुल के नेतृत्व में धरना कल

सोहावल अयोध्या। सोहावल तहसील में क्षेत्र की कई ज्वलंत समस्याओं को लेकर नौ जनवरी को भारतीय किसान यूनियन का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन होगा । इस अवसर पर छेत्र के सभी किसानो से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है । इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है । इस बात की जानकारी भाकियू के अयोध्या युवा जिलाध्यक्ष अनूप पाण्डेय नकुल एडवोकेट ने दिया है ।

गुजरात से अयोध्या आया 161 फिट ऊंचा ध्वज दंड

अयोध्या। रामनगरी पहुंचा ध्वज दंड । भगवान राम लला के नब्य मंदिर के शिखर पर जाएगा लगाया ध्वज दण्ड । राम लला के मंदिर के शिखर 161 फिट है ऊंचा । शिखर पर लगाया जाएगा 44 फिट का ध्वज दंड । यह धर्म ध्वज जमीन से 220 फीट ऊंचाई पर लहराएगा । अहमदाबाद से अयोध्या पहुंचा है श्रीराम ध्वज स्तंभ । बताया जाता है कि 22 जनवरी को प्रधानमंत्री ध्वज दंड में लगाएंगे धर्म ध्वजा जो 7 महीने में बनकर तैयार हुआ है । एलएनटी के द्वारा गया है बनवाया और 5 जनवरी को गुजरात के मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद से दिखाई थी हरी झंडी । गुजरात की कंपनी अंबिका इंजीनियर वर्क्स ने तैयार किया है ध्वज दंड ।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का गृह संपर्क महभियान चला

कस्बे में अक्षत वितरण अभियान में श्री राम भक्तों ने आमंत्रित किया

गोरखपुर। श्रीराम भक्तों द्वारा हनुमान मठ रुद्रपुर सें प्रारंभ होकर खजनी कस्बा सहित आसपास के गांवों में अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले भगवान श्रीराम के विग्रह की प्राणप्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भक्तों के साथ आमंत्रित शंखनाद,घडी, घन्ट,बजाते हुए बाजों के साथ अक्षत और पत्रक वितरण किया गया, इस संपर्क अभियान में सभी घरों में पहुंच कर अक्षत और पत्रक देते हुए 22 जनवरी को अपने-अपने घरों में 51दीप जलाकर भगवान श्रीराम की प्रतिस्थापना का उत्सव मनाने की अपील की गई।अभियान का नेतृत्व कर रहे ऋस्स् के खजनी खण्ड धर्म जागरण प्रमुख विमलेश कुमार त्रिपाठी के देख रेख में एडवोकेट महेश कुमार दुबे,खंड संचालक ,रुद्र प्रताप सिंह, रहे। खंड प्रचार प्रमुख, विमलेश कुमार त्रिपाठी धर्म जागरण ने बताया कि सभी सनातन धर्म प्रेमियों की विगत 550 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा अब समाप्त हो रही है। शीघ्र ही अयोध्या में हम सब के आराध्य भगवान श्री रामलला का विग्रह भव्य मंदिर के गर्भगृह में विराजमान होने जा रहा है। जिसको लेकर खजनी कस्बे व आसपास के सभी गांवों में अक्षत वितरण और गृह संपर्क अभियान अपने सभी युवा साथियों के साथ चलाया जा रहा है। अक्षत कार्यक्रम में उपस्थित श्री राम भक्त मंगलम भरतीया, अमन सिंह, आदर्श राम त्रिपाठी, आदर्श सिंह, गणेश यादव, अजीत सिंह, धीरू सिंह, मंतोष, अनूप मिश्रा, विश्व प्रताप सिंह, राजहंश मिश्र, अर्जुन मिश्र, भीम यादव, अश्विनी राम त्रिपाठी, रवि शंकर राम त्रिपाठी, अनिल यादव इत्यादि लोग मौजूद रहे ।

केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने जरूरतमंदो को किया कंबल वितरण

मोहनलालगंज सांसद केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार कौशल किशोर ने सिधौली तहसील सभागार में गरीब जरूरतमंदों व दिव्यांगजनों को कंबल वितरित किया.. सांसद कौशल किशोर ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता के लिए समर्पित हैं किसी भी आमजन को कोई समस्या ना हो जनहित में विभिन्न योजनाएं लाकर जनता को लाभ पहुंचाने का कार्य किया है विपक्षी दलों को यह हजम नहीं हो रहा आज देश के सभी वर्ग के लोगों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है देश की 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन मिल रहा है 55 करोड़ जनता को मुफ्त इलाज मिल रहा है उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त में गैस सिलेंडर चूल्हे मिले हैं किसानों को किसान सम्मान निधि उनके खाते में भेजने का कार्य हो रहा है हर घर जल योजना के तहत पूरे देश में सभी को घर पर शुद्ध जल पाइप लाइन के माध्यम से मिलने लगेगा.. बहुत जगहों पर कार्य पूर्ण हो चुका है कुछ जगहों पर कार्य तेज गति से चल रहा है.. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता में सबसे लोकप्रिय नेता हैं केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने उपस्थित सभी से अपील करते हुए कहा 22 जनवरी को जब अयोध्या में प्रभु श्री राम भव्य मंदिर में विराजमान हो हम सबको अपने आसपास के मंदिरों में अपने-अपने घरों में श्री राम ज्योति जलाना है 22 जनवरी को दीपावली जैसा पर्व हम सभी को मनाना है.. उक्त अवसर पर ब्लाक प्रमुख सिधौली राम बक्श रावत जिला मंत्री सुधीर सिंह सिधौली प्रतिनिधि अमित मोहन सिधौली विधानसभा मीडिया प्रभारी दुर्गेश सिंह तहसीलदार सिधौली खंड विकास अधिकारी सिधौली रामनिवास विश्वकर्मा चंद्रप्रकाश सिंह पुष्कर गुप्ता सत्येन्द्र चौहान जिला पंचायत सदस्य प्रेमदीप जायसवाल शिवा शर्मा अतुल तिवारी प्रवीण श्रीवास्तव सरवन कुमार आंसू तिवारी व अन्य लोग उपस्थित रहे

श्रंगी ऋषि आश्रम महबूबगंज में हुई मया ब्लॉक की वार्षिक बैठक

संवाददाता

अयोध्या। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद, अयोध्या के मया ब्लाक की वार्षिक बैठक रामायण युगीन पावन भूमि श्रृंगीऋषि आश्रम,महबूबगंज, मयाबाजार पर संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश सचिव सूर्यभान सिंह,प्रदेश महिला उपाध्यक्ष श्रीमती शशिप्रभा सिंह,जिलाध्यक्ष अम्बरीष सिंह,जिला संरक्षक आर डी सिंह,जिला उपाध्यक्ष सन्तोष सिंह,चन्द्रदेव सिंह,युवा जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह,डॉ पी एन सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक सिंह कनकपुर तथा संचालन सूर्यभान सिंह द्वारा एवं संयोजन रवी सिंह तथा रामकेर सिंह द्वारा किया गया। बैठक का शुभारंभ कल्याण परिषद की प्रार्थना और समापन राष्ट्रगान गाकर किया गया। इस अवसर पर श्रृंगीऋषि आश्रम के सभी सन्तो,पुजारियों से माला पहनाकर आशीर्वाद लेते हुये मंचासीन अतिथियों और वरिष्ठजनों का माला,अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने सभी का अभिवादन करते हुये कहा कि आज परम् तपस्वी श्रृंगीऋषि के पावन तपोभूमि पर कल्याण परिषद की बैठक में उपस्थित होना परम् सौभाग्य का विषय है। श्रीरामचरितमानस में स्पष्ट उल्लेख है कि चक्रवर्ती सम्राट महाराज दशरथ जी के पुत्रेष्टि यज्ञ को श्रृंगीऋषि ने ही सम्पन्न कराया था जिसके फलस्वरूप भगवान श्रीराम ने चारों भाइयों सहित अवतार लिया था। श्रीरामजन्मभूमि ट्रष्ट में क्षत्रियों को स्थान न देने और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सूर्यवंशी क्षत्रियों को आमंत्रित न किये जाने के विषय पर उन्होंने कहा कि यह खेद का विषय तो है क्योंकि हमारे पूर्वजों ने सनातन धर्म की रक्षा की है और श्रीरामजन्मभूमि की रक्षा के लिए बलिदान दिये हैं,परन्तु इस विषय पर हमें बहुत आक्रोशित या चिंतित न होकर प्रसन्नचित होना चाहिए क्योंकि हमारे आराध्य और हमारे पूर्वज भगवान श्रीराम का दिव्य मन्दिर बन रहा है और 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम जी अपनी जन्मभूमि मन्दिर में पुनः प्रतिष्ठित हो जाएंगे। इस स्वर्णिम कार्य में हमें किसी पद या आमन्त्रण की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को हमें इस तपोभूमि श्रृंगीऋषि आश्रम पर दिव्य आयोजन करना चाहिए और सायंकाल में अपने घरों में श्रीराम दीपोत्सव आयोजित करना है। श्री सिंह ने कहा कि क्षत्रियों का जन्म ही संघर्ष और त्याग के लिए होता है, इतिहास इसका साक्षी है। हमें भगवान श्रीराम और भरत जी के आदर्शों की अंगीकृत करना होगा, श्रीराम जी ने पिता के वचन निर्वहन हेतु 14 वर्षों का वनवास ग्रहण करते हुए जंगलों के तपस्वियों और सर्वसमाज के जनमानस का कल्याण किया और राक्षसों का वध करके सनातन धर्म की रक्षा की, वहीं भरत जी ने तीनों लोकों में वर्णित अयोध्या के राज सिंघासन को त्याग कर अपने भाई श्रीराम की प्रतीक्षा में14 वर्ष तक घनघोर तपस्या किया और प्रभु के अयोध्या आने पर अयोध्या का राज सिंघासन उन्हें सौंप दिया।ऐसी भावना के द्वारा हम क्षत्रियों का आपसी मतभेद दूर होगा और हम अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा पुनः प्राप्त करेंगे। जिलाध्यक्ष अम्बरीष सिंह ने कहा कि श्रृंगीऋषि के तपोभूमि पर कल्याण परिषद की बैठक का आयोजन पुनीत कार्य है, इसके लिये आयोजकों, व्यवस्थापकों तथा आये हुये जनमानस को धन्यवाद देता हूँ, इसी प्रकार के धार्मिक,सामाजिक कार्यों के द्वारा कल्याण परिषद नित नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। महिला प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती शशिप्रभा सिंह ने सभी का आत्मबल बढ़ाते हुए कहा कि हमे कठिन परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ सत्कर्म करते हुये आगे बढ़ने का प्रयास करते रहना चाहिए, ऐसा करने से एकदिन सफलता अवश्य प्राप्त होगी। प्रदेश सचिव सूर्यभान सिंह ने कल्याण परिषद के गठन और समाजसेवा के कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। सभा की अध्यक्षता कर रहे अशोक सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया और सभा समापन की घोषणा करते हुए कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद सदैव क्षत्रिय समाज के साथ सर्वसमाज के जरूरतमन्दों की सहायता करता रहता है और चूंकि यह संगठन किसी भी राजनैतिक दल से प्रेरित नहीं है तथा शुद्ध रूप से जनसेवा का कार्य कर रहा है अतःएक दिन अपना संगठन शीर्ष पर अवश्य पहुंचेगा । बैठक में उपस्थित कई स्थानीय लोगों ने कल्याण परिषद में आस्था दिखाते हुए सदस्यता हेतु आवेदन भी किया। बैठक में संरक्षक इं बी डी सिंह,मया ब्लाक महामंत्री देवेंद्र सिंह,नगर उपाध्यक्ष अजेन्द्र सिंह,जितेंद्र सिंह, शिवप्रताप सिंह,अमरदीप सिंह,अरुण सिंह, विपिन सिंह,विनय सिंह पूरा,धर्मेन्द्र सिंह,समर बहादुर सिंह, परिक्रमा सिंह,धीरेंद्र सिंह,बजरंगी सिंह,विनोद सिंह,मदनविहारी सिंह,राजेश सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय क्षत्रिय बन्धु उपस्थित रहे।

सिम्युलेशन वर्कशॉप में छात्रों ने सीखा बिजनेस

सिम्युलेशन पर तकनीकी उन्नति के माध्यम से कैसे बढ़ाएं मैनेजमेंट कौशल

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

बीकेटी लखनऊ। बक्शी का तालाब स्थित एस आर ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन में मंगलवार सीसिम बिजनेस सिम्युलेशन कंपनी की ओर से एक सिम्युलेशन वर्कशॉप आयोजित हुआ। इस वर्कशॉप का विषय था बिजनेस सिम्युलेशन पर तकनीकी उन्नति, जिसमें एमबीए, ई एमबीए और बीएफएसआई के 200 छात्र शामिल थे। इस दिन के वर्कशॉप में कंपनी के उप निदेशक राम बी आर और प्रबंध निदेशक वरुण पाटिल भी शामिल थे। इस वर्कशॉप में छात्रों को 10-15 के पायलट कंपनी ग्रुप्स बनाए गए और प्रत्येक ग्रुप का एक लीडर चुना गया। सभी ग्रुप्स से एक-एक कंपनी का नाम बनाया गया। फिर सेसिम द्वारा दिए गए कुछ सामग्री से सभी ग्रुप्स को एक पुल बनाना था। इस क्रियाकलाप में बच्चों ने सीखा कैसे मैनेजमेंट करना तथा टीम में कैसे काम करना है। टीम वर्कशाप की प्रवति विकसहित हो तकनिकी ज्ञान में भी वर्दी हो और सभी प्रकार के मैनेजमेंट काम कैसे करते हैं। वर्कशॉप के अंत में संस्थान के निदेशक डॉ. डी. पी. सिंह ने बच्चों को बधाई दी और उन्हें प्रेरित किया कैसे मैनेजमेंट कौशल को बढ़ावा देना है। संस्थान के चेयरमैन एमएलसी सीतापुर पवन सिंह चौहान ने भी बच्चों को सिम्युलेशन वर्कशॉप के लिये प्रेरित किया और साथ ही उन्हें मार्गदर्शन किया कैसे वे मैनेजमेंट कौशल का उपयोग करके कॉर्पोरेट विश्व में बेहतर ढंग से काम करें।

थाना इटौंजा चौकीदार ने घर में लगाई आग

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

इटौंजा लखनऊ। इटौंजा के राजा गांव के एक युवक ने नशे में चूर होकर अपने ही घर आ आग लगा दी जिससे घर में रखा समान जल गया। मौके पर दमकल की गाडी पहुंचकर आग बुझाई। एक जानकारी के अनुसार पंकज शर्मा नशे का आदि है जिसकी शादी चार साल पहले हुई थी और पति पत्नी में अनबन बनी रहती थी। अक्सर शराब पीकर झगड़ा किया करता है। जिसके कारण पत्नी अक्सर अपने मायके में रहती थी। पंकज शर्मा लगभग 26 वर्ष है जोकि थाना इटौंजा में चौकीदार है। अपनी तानाशाही रवैए के चलते प्रतिदिन शराब पीकर अनैतिक गली गलौज व मार पीट किया करता है। जोकि मंगलवार को शाम के लगभग 6 बजे खुद को कमरे में बन्द करके आग लगा ली। जिससे कमरे में रखा समान जल गया। सूचना पर दमकल की गाडी पहुंचकर आग बुझाई और युवक को हिरासत में लेकर अग्रिम कार्यवही की जा रही है।

सर्दी कर्तव्य निर्वाहन में न बने बाधा !द्धअभिषेक गुप्ता(बबलू भैया)

सर्दी से निजात दिलाने के लिए नगर पालिका (खैराबाद) में कर्मचारियों को मिले नए गरम जैकेट।

खैराबाद सीतापुर। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता बबलू भैय्या । वैसे तो समाज सेवा के लिए एक जाना पहचाना नाम है। लेकिन कुछ नया कार्य करने की हसरत उनको लोगों से अलग पहचान दिलाती है।एक नया एक्सपेरिमेंट करना अभिषेक गुप्ता बबलू भैया की आदतों में शुमार है। ऐसा ही नया एक्सपेरिमेंट करते हुए बबलू भैया ने नगर पालिका खैराबाद में जहां लोगों को सर्दी से निजात दिलाने के लिए गर्म वस्त्रों के साथ कंबल वितरण का कार्य कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ नगरपालिका के कर्मचारियों को भी इस सर्दी से निजात मिल सके व कार्य में किसी भी प्रकार की कोई बाधा ना आए और नगर पालिका के कार्य सुचारू रूप से चल सकें इसके लिए नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि बबलू भैया ने नगर पालिका में कार्यरत समस्त कर्मचारियों के लिए एक नई पहल करते हुए सबको गरम जैकेट वितरण किए। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के महामंत्री अनूप विश्वकर्मा ने बताया कि इस समय सर्दी अपनी चरम पर है जिससे आए दिन कर्मचारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में अभिषेक भैया ने इस दिक्कत को दूर करते हुए कर्मचारियों के लिए नए गर्म जैकेट की व्यवस्था की है।

नगर पालिका के सभी कर्मचारी दिन रात मेहनत कर रहे है।

कड़ाके की ठंड में भी पालिका कर्मचारी जनता की सेवा में कार्य कर रहे है।ऐसे में अगर उनको कही सर्दी की वजह से परेशानी होती है तो हमारे लोगो पर भी उसका प्रभाव पड़ता है । पालिका में किसी कार्य में कोई बाधा न आए और पूरे स्वस्थ मन से लोगो का कार्य सुचारू रूप से होता रहे इसलिए ये हम लोगो की जिम्मेदारी है की हम भी उनका ध्यान रखे जो हमारे लिए दिन रात सेवा में जुटे है ।

कृषि विवि में छात्रों ने देखा पीएम मोदी का लाइव प्रसारण

संवाददाता

कुमारगंज अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के हाईटेक हाल में छात्र-छात्राओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाइव प्रसारण को वर्चुअल माध्यम से देखा। कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह के दिशा-निर्देश के बाद विश्वविद्यालय में भी छात्र-छात्राओं को लाइव प्रसारण दिखाया गया। प्रधानमंत्री की विभिन्न योजनाएं जो पूरे देश में जन-जन तक पहुंच रही है और उससे लोगों के जीवन में कितना बदलाव आया, प्रजेंटेशन के माध्यम से छात्र-छात्राओं को दिखाया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न हिस्सों चंडीगढ़, बिहार, भरूच, जम्मू कश्मीर के लाभार्थियों से जुड़कर सीधे संवाद किया और उनके सवालों के जवाब दिए। इस दौरान व्यापारी, किसान वर्ग, आम आदमी सभी ने प्रधानमंत्री से सीधा संवाद किया। प्रधानमंत्री ने देश की जनता से अपील किया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा से जनता का विश्वास बढ़ा है। शहर हो या गांव सभी जगह इस यात्रा का उत्साह लोगों में देखने को मिल रहा है। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों से अपील किया वे किसानों को नई तकनीक व सुविधाएं मुहैया कराएं। कृषि के क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। खेती किसानी के लिए सरकार की विभिन्न योजनाएं हैं और किसानों को सब्सिडी भी दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने डिजिटल लेनदेन पर अधिक जोर दिया। उन्होंने रोजगार नहीं बल्कि दूसरों रोजगार देने के लिए तैयार होने की बात कही। जनता से अपील किया कि सभी लोग इस यात्रा से जुड़कर सरकार की योजनाओं का लाभ भरपूर लाभ लें। सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने से विश्वास बढ़ता है और लोगों में जीने की ईच्छा शक्ति भी बढ़ जाती है। इस संकल्प यात्रा ने सभी को योजनाओं से जोड़ने का काम किया है। इस मौके पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं छात्र-छात्राएं मौके पर मौजूद रहे।

मेडिकल कैंप का आयोजन

द अचीवर टाइम्स। रजनीश कुमार

बीकेटी लखनऊ। सियाराम सेवा ट्रस्ट के अभियान के तहत एक बार फिर मेडिकल कैंप का आयोजन बक्शी का तालाब स्थित चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एस डी मेमोरियल हॉस्पिटल छठामील, सीतापुर रोड किया गया। इस कैंप के माध्यम से लोगों को जागरुक कर निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। प्रमुख रूप से डॉ पी के यादव द्वारा शुगर, कमर दर्द, घुटने दर्द, हाइपरएसिडिटी,चर्म रोग, थायराइड लिकोरिया एवं दांतों के इलाज की जानकारी दी गई तथा पीड़ितों को उचित सलाह देकर दवाइयां वितरित की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ गजेंद्र सिंह ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा विभिन्न संस्थाओं द्वारा समय-समय पर मेडिकल कैंप लगाए जाते हैं। श्री सियाराम सेवा ट्रस्ट के प्रबंधक किशनजी लोधी ने बताया कि मेडिकल कैंप के माध्यम से गरीब-निराश्रित लोगों को संस्था मुफ्त में दवाइयां वितरित करती है। कृषि महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कैंप का आयोजन कृषि प्रसार विभाग द्वारा किया गया इसमें प्रो योगेश कुमार शर्मा, डॉ केडी सिंह सहित 170 से अधिक क्षेत्र वासियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने अपनी जांच कराई तथा जरूरतमंदों को दवाइयां भी वितरित की गई। इस कैंप के माध्यम से लोगों को अत्यधिक खुशी मिली और उन्होंने सभी कैंप आयोजकों की भूर भूर प्रशंसा की।

22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के सन्दर्भ में की रहस्यमयी भविष्यवाणी

संवाददाता

आगरा। राम मंदिर मामले सहित सैकड़ों सत्य साबित हुई भविष्यवाणियों के भविष्यवक्ता वैदिक सूत्रम चेयरमैन भारत के नास्त्रेदमस के नाम से सम्पूर्ण विश्व में विख्यात एस्ट्रोलॉजर पंडित प्रमोद गौतम ने अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को सोमवार को गर्भगृह में भगवान श्रीराम की अमृत सिद्धि योग में राम लला की बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा के सन्दर्भ में अपनी पूर्वजन्म की अतीन्द्रिय दिव्य शक्तियों के आधार पर कुछ महत्वपूर्ण रहस्यमयी तथ्यों की तरफ इशारा करते हुए बताया कि नववर्ष 2024 का मूलांक ब्रह्मांड के न्यायाधीश शनि ग्रह का है इसलिए सम्पूर्ण नववर्ष में शनि ग्रह का पूर्ण प्रभाव रहेगा इसलिए नववर्ष 2024 में एक बात सदैव स्मरण रहे कि आपके भीतर लगी ईर्ष्या की आग दूसरों को जलाए ना जलाए पर स्वयं को जरूर नववर्ष 2024 में जलाने वाली साबित हो सकती है, इसलिए संतोष और ज्ञान रूपी जल से इसे और अधिक भड़कने से रोकने की कोशिश अवश्य करें ताकि आपके जीवन में खुशियाँ नष्ट होने से बच सकें। दूसरों को देखकर जलो मत साथ-साथ चलने की कोशिश करें। एस्ट्रोलॉजर पंडित प्रमोद गौतम ने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के सन्दर्भ में अपनी पूर्वजन्म की अतीन्द्रिय शक्तियों के आधार पर कुछ रहस्यमयी तथ्यों के सन्दर्भ में बताते हुए कहा कि 22 जनवरी 2024 को अमृतसिद्धि योग में मृगशिरा नक्षत्र में सोमवार को मध्यान्ह 12 बजकर 29 मिनट पर अभिजीत महूर्त में भगवान श्रीराम की भले ही बाल रूप प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी लेकिन श्री राम प्राण-प्रतिष्ठा के बाद माता जानकी के साथ त्रेतायुग की पौराणिक काल की धरोहर, अपने राजमहल अयोध्या में गर्भगृह स्थल में दिव्य रूप में संयुक्त रूप में ही विराजमान होने जा रहे हैं और अब वो अयोध्या से ही सम्पूर्ण विश्व पर अदृश्य रूप में राज करेंगे, अब भारत जल्द ही विश्व गुरु बनने की तरफ तेजी से अपने कदम दिव्य कृपा से आगे बढ़ाएगा। और गुप्त रूप से छिपे हुए राक्षसों का संहार होगा चाहे वो संहार प्राकृतिक आपदाओं के द्वारा हो या किसी अन्य रूप में यही वर्ष 2024 का वास्तविक आध्यात्मिक रहस्यमयी तथ्य है, उन्हें इस बात की जानकारी अपनी पूर्वजन्म की अतीन्द्रिय शक्तियों के माध्यम से बहुत पहले से ही थी, इसलिए नववर्ष 2024 के प्रथम दिन एक जनवरी को सूर्योदय काल में चन्द्रमा सिंह राशि में अध्यात्म एवम मोक्ष के कारक केतु के नक्षत्र में विराजमान था।

कागरोल से एटीएम को उखाड़ ले गए बदमाश

मंचा हड़कंप, पुलिस और बैंक अधिकारी मौक़े पर पहुचे, घने कोहरे का बदमाशों ने उठाया लाभ

संवाददाता

आगरा। कागरोल से बदमाश भारतीय स्टेट बैंक के ए टी एम को बदमाश उखाड़ ले गए। बैक ए टी एम उखाड़ने की खबर पर पुलिस विभाग मे हड़कंप मंच गया। देख्ते ही देखते पुलिस विभाग के अधिकारी मौक़े पर पहुंच गए जहाँ बदमाशों की घड़पकड़ को एस औ जी टीम को भी लगाया है। बताते है कि घना कोहरा पड़ रहा था जिसका फायदा उठाते हुए बदमाश रात्रि को ए टी एम मशीन को ही उखाड़ ले गए। बताते है कि रात्रि मे ए टी एम मशीन गायब होने की सूचना आस पास रहने बाले लोगो ने दी। सूचना पाकर थाना पुलिस मौक़े पर पहुच गई घटना की जानकारी थाना प्रभारी निरिक्षण ने मुख्यालय को दी सूचना पाकर पूर्वी जोन के पुलिस उपायुक्त पहुंच गए। इतना ही नहीं बैंक अधिकारी भी मौक़े पर पहुंच गए जहाँ घटना को अंजाम देने बाले बदमाशों की पहचान के लिए सी सी टी बी कैमरो को खांगला गया है।

तीस लाख रूपये से भरा था ए टी एम

कागरोल से बदमाश जिस ए टी एम को उड़ा ले गए है उसमे तीस लाख रूपये से भरा हुआ था बताते है कि बैंक अधिकारियो ने रात्रि को ही पैसे भरे थे। कैमरे की डिवाइस भी ले गए बदमाश पुलिस ने बताया कि ए टी एम की निगरानी को सी सी टी बी कैमरा लगे थे उसकी डिवाइस को भी वादमाश उखाड़ ले गए जिससे बदमाशों की पहचान न हो सके बॉडर सक्रीम लागू पुलिस कमिश्नर ने जिले की सीमाओं को सीज करा दिया गया है जिससे बदमाशों को समय रहते गारफ्तार किया जा सके।

राम काज कीन्हें बिना मोहि कहां विश्राम

❖ माता सीता की नगरी पंचवटी में अयोध्या से आए प्रभु श्री राम प्राण प्रतिष्ठा मंदिर के पूजित अक्षत व साहित्य का वितरण।

संवाददाता

आगरा। माता सीता की नगरी पंचवटी कॉलोनी ताजनगरी फेस दो मंदिर से प्रांगण से भव्य निमंत्रण रैली निकाल पूरे छेत्र का भ्रमण करते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्याम शाखा नालंदा नगर द्वारा जय श्रीराम की जयजयकार के साथ बड़े ही सत्कार सम्मान के साथ अयोध्या से आए प्रभु श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा मंदिर के पूजित अक्षय व साहित्य का वितरण भगवान श्रीराम के भक्तो में किया सभी सभी कॉलोनी वासियों ने निमंत्रण देने आए भगवान स्वरूप अतिथियों का स्वागत सत्कार कर आने वाले भव्य आयोजन की बधाईयां दी वह पंचवटी परिवार ने संकल्प लिया।22 जनवरी को हम रंगोली बनाएंगे घर के द्वार को सजाएंगे फूलपत्तों के तोरण लगाएं श्री राम नाम के दीप जलाएंगे घर पर दीपमाला कंदील व रंग बिरंगी रोशनी झालर से सजायेगे घर में मिठाइयां बनाएंगे मीठा व प्रसाद बना परिवार सहित मंदिर में भगवान को भोग लगा पूजा, भजन-कीर्तन में शामिल होकर प्रसाद का वितरण सभी में साल में दो बार दिवाली मनाने का योग 500 वर्ष के इंतजार के बाद हमारे जीवन में आया है प्रभु इच्छा से उत्सव धूम धाम से मनाएंगे-मुख्य रूप से सुमन यादव, पूर्व पार्षद जगदीश पचौरी, पूर्व पार्षद श्याम भोजवानी, दीपक गुप्ता, ठा वीरेंद्र सिंह, जसवीर सिंह, चांदनी भोजवानी, गीता आहूजा, संजना सिंह, दिनेश अगरिया, विजय सिंह, डा एल आर पाठक, धर्मेंद्र सारस्वत, ज्ञानेंद्र अग्रवाल, राज वर्मा, ए के व्यास, ओम प्रकाश चौबे,राजकुमार अग्रवाल, पवन जैन सुशील आहूजा, अंबरीश लोहिया, विजय सक्सेना, पृथ्वी रावत, जी के गुप्ता, पंकज गुप्ता, राना भट्टाचार्य, रिंकू गुप्ता, सोमिन सिन्हा,आदि।

एक नज़र

एड्स पीड़ितों के साथ रखें संवेदना छूने से नहीं फैलता एड्स

आगरा। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी ए.मनिकंडन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अरूण श्रीवास्तव की उपस्थिति में, एड्स पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। सीएमओ ने कहा कि एड्स से बचाव के लिए सबसे कारगर कदम जागरूकता और जानकारी है। एचआईवी रोगी को छूने से यह रोग नहीं फैलता है। सावधानी बरतने पर रोग से दूर रहा जा सकता है। हालांकि इस बीमारी का उपचार नहीं है, लेकिन रोगी में शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए दवाएं दी जाती है। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई कार्यशाला में राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के तत्वावधान में जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.सुकेश गुप्ता ने पीपीटी के माध्यम से बताया कि प्रशिक्षण कार्यशालाओं के लिए विभागवार माइक्रो प्लान बनाया गया है। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी ने संवेदीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति की जानकारी को गोपनीय रखा जाए और स्वास्थ्य विभाग उसका बेहतर उपचार करें। आमजन में इस रोग के प्रति जागरूकता लाई जाए, ताकि आने वाले समय में इसकी मरीजों की संख्या शून्य हो सके। कार्यशाला में बताया गया कि एड्स रोग मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित खून के चढ़ाने से तथा एक ही सुई का बार बार उपयोग करने, नशा करने बालों के द्वारा नशे के इंजेक्शन का बार बार उपयोग किए जाने से होसकता है। यह रोग संक्रमित मां से बच्चे में भी हो सकता है। एचआईवी रोगी को छूने से, गले लगाने से, रोगी के कपड़े पहने से तथा मच्छर के काटने से एड्स नहीं फैलता है। डीटीओ डॉ.सुकेश गुप्ता ने बताया कि एचआईवी का कोई उपचार नहीं है, परंतु एंटी-रेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) की दवाईयां जरूर उपलब्ध है। यह रोगी में प्रतिरोधक प्रणाली (ह्यूमून सिस्टम) को मजबूत रखने में सहायता करती है। सीडीओ,ए.मनिकंडन ने एड्स से बचाव और जागरूकता के लिए मेनस्ट्रीमिंग के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं विभिन्न विभागों से एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत विभाग के कर्मचारी, एनजीओ, शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग, रेलवे विभाग, श्रम विभाग, विधि विभाग, पुलिस विभाग को संवेदीकरण करने के निर्देश दिए। कार्यशाला में बताया गया कि उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसाइटी भी उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार के एड्स नियंत्रण अथवा जन-जागृति का काम करता है।राज्य के सभी जिलों में एड्स को रोकने के लिए और उच्च जोखिम-वाले समूहों और आम जनता में एचआईवी / एड्स के संचरण नियंत्रण में जिला अस्पताल स्तर पर सुरक्षा क्लिनिक नाको द्वारा स्थापित किये गए हैं। वहाँ भी उच्च जोखिम- वाले मामलों जो सामाज की महिला यौन-कार्यकर्ताओं, पुरुषों से यौन सम्बन्ध रखनेवाले पुरुषों और नसों में नशीली दवाओं के उपयोगकर्ताओं और के लिए परामर्श की सुविधा उपलब्ध रहती है।

मंदिर की सुरक्षा के लिए सरयू की लहरों पर सर्विलांस रूम

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पूरी अयोध्या सुरक्षा के घेरे में रहेगी। सात बड़ी सुरक्षा एजेंसियां रामनगरी के विभिन्न इलाकों में छानबीन में जुटी हैं। इसके अलावा जिले की सीमाओं पर भी चौकसी बढ़ाई गई है। आने-जाने वाले वाहनों की सघन तलाशी करके ही प्रवेश दिया जा रहा है। जिले के विभिन्न इलाकों में बने होटल, लॉज व धर्मशालाओं में भी टीमें छानबीन कर रही हैं। यहां ठहरे व बुकिंग कराए लोगों का भी सत्यापन कराया जा रहा है। वहीं, राम मंदिर की सुरक्षा के लिए सरयू की लहरों पर अत्याधुनिक तकनीक वाले सर्विलांस रूम बनेंगे। इनके माध्यम से चौधरी चरण सिंह घाट से गुसार घाट तक नदी की निगरानी की जाएगी। प्रधानमंत्री और अन्य वीवीआईपी की फ्लीट के रूट पर भी पुलिस टीमें जांच-पड़ताल कर रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा के दिन यहां देश और दुनिया के विशिष्टजन उपस्थित होंगे। इसके बाद यहां प्रतिदिन एक से दो लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। प्रदेश के अन्य जिलों से 100 उपाधीक्षक, 300 निरीक्षक, 800 उपनिरीक्षक व 4500 मुख्य आरक्षी व आरक्षियों की मांग की गई है। इसके अलावा पीएसी, आरएएफ, सीआरपीएफ, एसटीएफ, एटीएस, एनआईए, एनडीआरएफ के जवान भी बड़ी संख्या में रामनगरी में मोर्चा संभालेंगे। तैयारियों के क्रम में सोमवार को पहले चरण में 347 पुलिसकर्मी अयोध्या पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक (नगर) ने बताया कि दूसरे चरण में 12 जनवरी व तीसरे चरण में 18 जनवरी को 5300 जवान अयोध्या पहुंचेंगे। अन्य जवानों के आने का सिलसिला भी जारी है। इन्हें सुरक्षा के लिहाज से अलग-अलग स्थानों पर जिम्मेदारी दी जा रही है। जिले में पुलिस, पीएसी, आरएएफ, सीआरपीएफ के जवानों के जत्थे आने लगे हैं। इनके लिए नगर कोतवाली क्षेत्र के सर्वाधिक 14, कैंट के 12, रुदौली के 11, पूराकलंदर के 10, इनायतनगर के नौ, गोसाईगंज व रौनाही के आठ-आठ, कोतवाली अयोध्या, बीकापुर व खंडासा के छह-छह, कुमारगंज व महाराजगंज के पांच-पांच व तारुन थाना क्षेत्र के तीन स्कूल लिए जाने जा रहे हैं। प्रत्येक स्कूल के चार-पांच कमरों में 100-100 पुलिसकर्मी रुकेंगे। श्रीराम जन्मभूमि को जाने वाले पथों पर 15 जनवरी से ई-बसों का बेड़ा उतार दिया जाएगा। ये बसें एक दिन पहले 14 जनवरी को अयोध्या पहुंच जाएंगी। पहले चरण में ई-बसों को रामपथ और धर्मपथ पर चलाया जाएगा। रामपथ पर शहर के इंट्री प्वाइंट सहादतगंज से अयोध्याधाम तक और धर्मपथ पथ के इंट्री प्वाइंट साकेत पेट्रोल पंप तक चलेंगी।

किक बॉक्सिंग में ताजनगरी की बेटियों ने जीता गोल्ड

❖ मां कामाख्यां मंदिर पहुंच कर लिया गुरु जी से आशीर्वाद।

संवाददाता

आगरा। ताज नगरी की बेटियों ने के तालकटोरा स्टेडियम में गोल्ड मेडल जीत कर माता-पिता के साथ-साथ शहर का नाम भी रोशन किया है तालकटोरा स्टेडियम में चल रही किकबॉक्सिंग नेशनल चैंपियनशिप में शहर से हिमानी पराशर 15 वर्षीय शिवानी पराशर 13 वर्षीय ने उत्तर प्रदेश की ओर से प्रतिभाग किया था। दोनों ही बेटियों ने अपने अपने प्रतिद्वंद्वी को किक बॉक्सिंग में मात देकर गोल्ड मेडल हासिल किया। मेडल लेकर अपने कोच के साथ दोनों बेटियां सुनारी स्थित जेसीबी चौराहा के पास कामाख्यां देवी के मंदिर पहुंची और वहां कीर्ति नाथ महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर पिता सुनील पाराशर माँ जानकी पाराशर, अनिल मिश्रा, मुन्ना मिश्रा, देवदत्त, यशपाल चौधरी आदि।

रबी की फसल के लिए अनुकूल है मौसम, बारिश और शीत बनी अमृत

गोरखपुर। कृषि मौसम वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार सिंह ने बताया कि रबी की फसल के लिए अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहना चाहिए। रबी की फसल गेहूं, गन्ना, सरसो, मटर, जौ और चना के लिए तापमान में गिरावट से मजबूती मिलती है। कृषि वैज्ञानिकों की मानें तो वर्तमान मौसम रबी की फसल के लिए अनुकूल है। तीन दिन पहले हुई बारिश के अलावा रात में पड़ रही शीत रबी की फसल के लिए अमृत की तरह है। न्यूनतम तापमान भले ही औसत तापमान के बराबर बना हुआ है, लेकिन रात और सुबह पड़ रहा कोहरा व शीत फसल के लिए अनुकूल है। इन दिनों अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 के आसपास बना हुआ है।

यूटा अध्यक्ष शिवराज शिक्षा श्री अवार्ड से हुएं सम्मानित

❖ शिक्षा क्षेत्र में योगदान एवं भ्रष्टाचार विरोधी जनजागरण अभियान के लिए मिला सम्मान।

संवाददाता

आगरा। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के राष्ट्रीय संयोजक शिक्षक शिवराज सिंह सिकरवार को उत्तराखण्ड के रुड़की में आयोजित ÷शिक्षा का नया सवेरा एक अभियान÷ कार्यक्रम में शिक्षा श्री अवार्ड से सम्मानित किया गया । यह सम्मान उन्हें शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान एवं यूटा के माध्यम से भ्रष्टाचार विरोधी जनजागरण अभियान के लिए दिया गया है। ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर पंकज मिश्रा, ग्रीन माइक्रो स्कूल कॉन्सेप्ट के जनक एवं उत्तराखण्ड में निवेशक न्यूयार्क से पधारे डॉ0 वीरेन्द्र रावत, मशहूर सर्जन वर्ल्ड रिकॉर्ड विजेता पद्मश्री डॉ0 भूपेन्द्र कुमार सिंह संजय, इंटरनेशनल स्कूल दिल्ली के प्रबंध निदेशक बी0एल0 यादव ने यूटा की भ्रष्टाचार विरोधी जनजागरण अभियान की प्रशंसा करते हुये शिक्षा क्षेत्र में उनके योगदान के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवराज सिंह सिकरवार को शिक्षा श्री अवार्ड से सम्मानित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों ने यूटा के भ्रष्टाचार विरोधी जनजागरण अभियान की मुक्त कंठ से प्रसंशा की । यूटा राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवराज सिंह सिकरवार ने सम्मानित होने पर बताया कि वे राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों से सम्मान पाकर अभिभूत एवं आनंदित हैं एवं शिक्षा क्षेत्र में योगदान एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रखेंगे । जिला महामंत्री यूटा देवेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि यूटा राष्ट्रीय अध्यक्ष के सम्मानित होने पर समस्त प्रदेशों एवं जनपदों के पदाधिकारियों में हर्ष एवं उमंग का माहौल है।

64 ग्राम पंचायतों में चलेगा टीबी मुक्त पंचायत अभियान

❖ विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर किया जायेगा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित।

संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी चंद्र भानू गोस्वामी की अक्ष्यक्षता मेंजनपद में टीबी मुक्त पंचायत अभियान चलाये जाने हेतु समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बताया गया कि 24.मार्च विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर टीबी मुक्त पंचायत अभियान में चिन्हित किये गये ग्राम पंचायतों को जिलाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया जाना है। उक्त हेतु एक जनपद स्तरीय सत्यापन कमेटी का गठन किया जायेगा, जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अध्यक्ष एवं जिला क्षय रोग अधिकारी, सहयोजक नामित किये जायेंगे, बैठक में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देशों के अनुरूप ब्लॉक स्तर से टीबी मुक्त ग्राम पंचायत किये जाने का दावा 15.जनवरी से पूर्व स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से पंचायती राज विभाग के माध्यम से जिला क्षय रोग अधिकारी को प्रस्तुत किया जाना है तथा ब्लॉक स्तर से प्रस्तुत दावों का परीक्षण जिला क्षय रोग अधिकारी द्वारा करने के उपरान्त टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनाये जाने हेतु उपयुक्त पाये गये ग्राम पंचायतों की सूची जिला क्षय रोग अधिकारी द्वारा जिला पंचायती राज अधिकारी को 20.जनवरी तक प्रस्तुत की जायेगी, तदोपरान्त जिला पंचायती राज अधिकारी प्रस्तुत दावों का परीक्षण कर पुनः जिला क्षय रोग अधिकारी को एक सप्ताह में उपलब्ध करायेंगे। जनपद स्तरीय सत्यापन कमेटी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं उनके द्वारा नामित सदस्य जिला पंचायती राज अधिकारी एवं उनके द्वारा नामित सदस्य, जिला क्षय रोग अधिकारी, आईएमए के प्रतिनिधि, मेडिकल कालेज के कम्युनिटी मेडिसिन के प्रतिनिधि एवं अन्य विभागों के प्रतिनिधियों को सम्मिलित करते हुए टीम का गठन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रत्येक टीम को एनटीईपी के सदस्य फैसीलिटेटर के रूप में सहयोग प्रदान करेंगे। ब्लॉक स्तर से प्रस्तुत दावों के परीक्षण उपरान्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गठित जनपद स्तरीय टीम द्वारा उक्त ग्राम पंचायतों एवं आंकडों का भौतिक सत्यापन का कार्य 20.फरवरी तक पूर्ण कराया जाना है। बैठक में टीबी मुक्त पंचायत अभियान के लिए जनपद के 15 ब्लॉक की कुल 64 ग्राम पंचायत चयनित की गई हैं, जिसमें ब्लॉक शमशाबाद तीन सैयां चार पिनाहट दो , खेरागढ़ चार खंदौली चार , जैतपुरकला पांच जगनेर तीन , फतेहपुर सीकरी पांच फतेहाबाद पांच एत्मादपुर पांच बिचपुरी चार ब बरौली अहीर बाह अकोला अछनेरा मे पांच पांच शामिल हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ए.मनिकंडन, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.अरूण कुमार श्रीवास्तव, जिला क्षय रोग अधिकारी डा0 सुकेश गुप्ता, डीपीएम कुलदीप भारद्वाज, डब्ल्यूएचओ से श्रीमती महिमा, यूनिसेफ से अरविन्द शर्मा, राहुल कुलश्रेष्ठ आदि

नीरज को दांतों से काटा! फिर भी पति ने क्रिकेट बैट से पीटकर मार डाला!

संवाददाता

ललितपुर। ललितपुर से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां प्रेमिका से बात कर रहे युवक को पत्नी ने रंगे हाथ पकड़ लिया। इस पर दंपती में झगड़ा हो गया। गुस्साए पति ने पत्नी को बैट से पीटकर मार डाला, इसके अलावा बेटी की गला दबाकर की हत्या कर दी। हत्या को लूटपाट का रूप देने के लिए अपना सिर दीवार से मारा। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

ललितपुर शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चांदमारी में रविवार देर रात करीब दो बजे प्रेमिका से बात कर रहे युवक ने विरोध किए जाने पर पत्नी और एक साल की बेटी की निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी। इसके बाद घटना को लूटपाट और हत्या का रूप देने के लिए उसने अपना सिर दीवार में मारकर खुद को घायल कर लिया। सामान भी बिखेर दिया। लेकिन पुलिस जांच में वह फंस गया। सख्ती से पूछताछ करने पर युवक ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, मोहल्ला चांदमारी निवासी नीरज कुशवाहा (27) शादियों में सजावट का काम करता है। उसका एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसी बात को लेकर पत्नी मनीषा (22) से अक्सर उसका विवाद होता था। रविवार देर रात वह मोबाइल पर प्रेमिका से बात कर रहा था। तभी मनीषा की नींद खुल गई। पति को प्रेमिका से बात करते देख उसने विरोध किया। इस पर दोनों में झगड़ा होने लगा। देखते ही देखते बात बढ़ गई। गुस्साए नीरज ने कमरे में रखे क्रिकेट बैट से मनीषा पर ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसी दौरान उसकी एक साल की बेटी निपेक्षा जाग गई।

नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति संतुष्टजनक न होने पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के वेतन आहरण पर लगाई रोक

❖ प्राइवेट अस्पतालों में प्रसव कराने वाली आशाओं व एमओआईसी पर दर्ज होगी एफआईआर डी एम

संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद में डाक्टरों की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली, जिसमें बताया गया कि 23 डाक्टरों का साक्षात्कार हुआ है, जल्द ही नियुक्ति प्रदान की जायेगी। बैठक में जिलाधिकारी ने सीटीस्कैन, डायलेसिस, बायोमेडिकल इक्यूपमेंट, मेंटिनेंस, टेलीमेडिशन आदि की प्रगति रिपोर्ट तलब की, 102 एम्बुलेंस सर्विस व 108 एम्बुलेंस सर्विस की टाइमिंग के बारे में जानकारी ली, जिसमें 108 एम्बुलेंस सेवा की उपलब्धता में सुधार के निर्देश दिए। बैठक में जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा की गयी, जिसमें गत वर्ष के सापेक्ष माह दिसम्बर में विकास खण्ड, शमशाबाद, जैतपुर कला, बरौली अहीर, फतेहपुर सीकरी व खन्दौली की प्रगति ठीक न पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा एमओआईसी को निर्देशित किया कि आशा सहायतित प्रसव सेवा में उल्लेखनीय प्रगति न होना बताता है कि आशा व एमओआईसी द्वारा गम्भीरता पूर्वक कार्य नहीं किया जा रहा है, उन्होंने प्राइवेट अस्पतालों में प्रसव कराने वाली आशाओं व एमओआईसी पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। बैठक में जननी सुरक्षा व पीएम मातृ वंदना योजना में लापरवाही करने, कुल 2543 लाभार्थियों में से शेष 1052 लाभार्थियों का समय से भुगतान न करने पर जिलाधिकारी ने एमओआईसी फतेहाबाद को तत्काल प्रभाव से हटाने, वेतन आहरण पर रोक लगाने तथा प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए, बैठक में जिलाधिकारी ने पीएम मातृ वंदन योजना में लाभार्थी को मौके पर लाभ दिलाये जाने हेतु जनपद स्तर पर एक सॉफ्टवेयर विकसित कर उसमें रजिस्ट्रेशन, बैंक एकाउन्ट, आइएफएससी कोड, आधार इत्यादि की जानकारी देने की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया। बैठक में आशाओं के भुगतान में ब्लॉक शमशाबाद, खेरागढ़, खन्दौली, फतेहाबाद की प्रगति ठीक नहीं मिली, जिलाधिकारी ने आशा, लिंक वर्कर्स इत्यादि के लंबित भुगतान हेतु कड़े निर्देश के साथ तथा कल तक ब्लॉक वाइज अवशेष लम्बित भुगतान की सूची उपलब्ध कराने को निर्देशित किया। बैठक में जिलाधिकारी ने मातृ मृत्यु दर की समीक्षा की, जिसमें बताया गया कि जनपद में 03 मातृ मृत्यु दर्ज की गई है, जिलाधिकारी ने तीनों केसों की लाइन लिस्टिंग किये जाने तथा सम्बन्धित एमओआईसी को ट्रेनिंग कराने तथा सभी गर्भवती माताओं की सघन मॉनीटरिंग व जांच के निर्देश दिए। बैठक में पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान की समीक्षा में जैतपुर कला व खन्दौली, पीएम मातृ वंदना योजना में अर्बन क्षेत्र, शमशाबाद, फतेहाबाद की प्रगति संतुष्टजनक न होने पर नाराजगी व्यक्त की। बैठक में जिलाधिकारी ने सरकारी अस्पतालों में दवाओं की सुचारू आपूर्ति की रिपोर्ट तलब की तथा मुख्य चिकित्साधिकारी तथा एमओआईसी को निर्देश दिए कि आमजन को दवाओं की कोई कमी न हो, उन्हें बार से दवा न खरीदनी पड़े, अतः स्टॉक समाप्ति से पूर्व अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति हेतु रिपोर्ट भेजकर दवाओं की उपलब्धता कड़ाई से सुनिश्चित करें, बैठक में सिजेरियन केस की समीक्षा में भी स्थित संतोषजनक मिली, बैठक में संपूर्ण टीकाकरण की समीक्षा की गई, जिलाधिकारी ने विगत बैठक में सभी सीएचसी, पीएचसी प्रभारी को कार्यस्थल पर रहने के सख्त निर्देश के साथ ऐसे सभी एमओआईसी के कार्यस्थल पर उपस्थित न रहने वालों के विरुद्ध सीएमओ को कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में सिक न्यू वोर्न के एन यूनिट, फैमिली प्लानिंग, मंत्रा एप, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा वित्तीय प्रगति की समीक्षा की, बैठक में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत ड्यू लिस्ट की प्रगति संतुष्टजनक न होने पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ए.मनिकंडन, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.अरूण कुमार श्रीवास्तव, डीपीएम कुलदीप भारद्वाज, डब्ल्यूएचओ से श्रीमती महिमा, यूनिसेफ से श्री अरविन्द शर्मा, राहुल कुलश्रेष्ठआदि।

ऑस्ट्रेलिया ने निर्णायक मुकाबले में भारत को सात विकेट से हराया

एजेंसी

नवी मुंबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला खेला गया। यह मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरा टी20 सात विकेट से जीतकर सीरीज पर 2-1 से कब्जा कर लिया है।

आज भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला गया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 147 रन बनाए था। ऋचा घोष ने सबसे ज्यादा 34 रन की पारी खेली।

जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 18.4 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान एलिसा हीली ने 55 रन बनाए। वहीं, बेथ मूनी 52 रन बनाकर नाबाद रहीं। इसी के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टी20 सीरीज भी 2-1 से अपने नाम कर ली। भारत ने पहला टी20 नौ विकेट से और ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा टी20 छह विकेट से अपने नाम किया था। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की वनडे सीरीज भी 3-0 से अपने नाम की थी। वहीं, एकमात्र टेस्ट भारत ने जीता था।

पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत ठीक रही थी। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी निभाई। शेफाली 17 गेंद में छह चौके की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, जेमिमा रॉड्रिग्स दो रन और कप्तान हरमनप्रीत कौर सिर्फ तीन रन बनाकर पवेलियन चलती बनीं। स्मृति मंधाना 28 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने ऋचा घोष के साथ मिलकर 33 रन की साझेदारी निभाई। दीप्ति 14 रन और ऋचा 28 गेंद में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुईं। अमनजोत कौर 17 रन और पूजा वस्त्राकर सात रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एनाबेल सदरलैंड और वेयरहैम ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, मेगन शुट्ट और गार्डनर को एक-एक विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली और बेथ मूनी ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों ने 60 गेंद में 85 रन की साझेदारी की। हीली 38 गेंद में नौ चौके और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें दीप्ति शर्मा ने एल्बीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद ताहिला मैक्ग्रा 15 गेंद में चार चौके की मदद से 20 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। एलिस पेरी बिना खाता खोले पूजा वस्त्राकर का शिकार बनीं। इसके बाद मूनी ने फीबी लीचफील्ड के साथ मिलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। मूनी ने 45 गेंद में पांच चौके की मदद से नाबाद 52 रन बनाए। वहीं, फीबी 13 गेंद में तीन चौकी की मदद से 17 रन बनाकर नाबाद रहीं। भारत के लिए पूजा ने दो विकेट लिए, जबकि दीप्ति को एक विकेट मिला।

दोनों ही टीमें बिना किसी बदलाव के मैदान पर उतरी थीं। तीसरे और निर्णायक टी-20 में अगर भारत जीतता तो घर में पहली बार ऑस्ट्रेलिया से इस प्रारूप में सीरीज जीतने में सफल रहता, लेकिन यह सपना ही रह गया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की फॉर्म चिंता का सबब बनी हुई है। सभी प्रारूपों की पिछली 11 पारियों में वह आठ में दोहरे अंकों में नहीं पहुंच सकी हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारतः शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्रकार, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, रेणुका ठाकुर सिंह।

ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (विकेटकीपर/कप्तान), बेथ मूनी, ताहिला मैक्ग्रा, एलिसे पेरी, एश्ले गार्डनर, फीबी लीचफील्ड, ग्रेस हैरिस, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहैम, किम गर्थ, मेगन शुट्ट।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच छह टी-20 सीरीज हुई है, जिसमें भारत ने 2015-16 में एक सीरीज ऑस्ट्रेलिया में जीती है। पांच सीरीज पर ऑस्ट्रेलिया कब्जा जमा चुका है। एकमात्र टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराकर भारत ने बेहतरीन शुरुआत की थी, लेकिन वनडे में एलीसा हीली की टीम ने भारतीय टीम का 0-3 से सफाया कर दिया। इसके बाद टी20 सीरीज में पहले मैच में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना के अर्धशतकों की मदद से भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर नौ विकेट से बड़ी जीत हासिल की, लेकिन दूसरे टी-20 में 300वां मैच खेलने वाली एलिस पेरी और किम गर्थ ने सीरीज को 1-1 की बराबरी पर ला दिया था। अब तीसरे टी20 में हीली ने कप्तानी पारी खेल अपनी टीम को सीरीज जिता दिया।

मैं इसे गोली मार दूंगा, अभिनय में दिलचस्पी पर पिता का था जवाब, कंगना रणौत ने किया खुलासा

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कंगना रनौत की आज इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान है। अक्सर अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाली अभिनेत्री एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में कंगना ने एक्टिंग में उनके करियर को लेकर परिवार की प्रतिक्रिया के बारे में बात की। कंगना ने बताया कि उनके पिता फिल्मों में उनके काम करने की योजना के पक्ष में बिल्कुल नहीं थे। मनोज मुंतशिर के साथ अपनी बातचीत कंगना ने बताया जब उन्होंने अपने पिता से कहा कि वे फिल्मों में काम करना चाहती है, तो उन्होंने गोली मारने की बात कही थी। कंगना ने आगे बताया, जब मैंने अपनी पढ़ाई छोड़कर फिल्मों में करियर बनाने के लिए दिल्ली जाने का सोचा तो मेरे पिता ने मेरा सपोर्ट नहीं किया। वे चाहते थे कि मैं उच्च शिक्षा हासिल करूं और उन्होंने मुझे चंडीगढ़ भेज दिया, लेकिन मैंने तय कर लिया था कि यह सब छोड़ दूंगी। उन्होंने हमें बड़े सपने देखना सिखाया, लेकिन यह एक अलग बात है कि जब मेरे सपने बहुत बड़े हो गए तो वे उन्हीं के लिए सबसे बड़ी समस्या थी।

तेजस अभिनेत्री ने आगे कहा, जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं पढ़ाई नहीं कुछ अलग करना चाहती हूं, शायद थिएटर.. तो उन्होंने सिर्फ एक ही बात कही। मैं समाज में रहने वाला एक सामान्य व्यक्ति हूं, अगर तुम्हें ऐसा करना है तो हमें त्यागना पड़ेगा। मैं जो कुछ भी जानता हूं, उससे मैं तुम्हें रास्ता दिखा सकता हूं, क्योंकि तुम मेरी बेटी हो और मैं तुम्हारा अभिभावक, लेकिन अगर तुम पढ़ाई छोड़कर बॉम्बे और दिल्ली में थिएटर करना चाहती हो, तो यह हमसे परे है। कंगना ने आगे कहा, मेरे मन बनाने के बाद मेरे पिता ने कहा कि अब वे मेरी किसी भी चीज के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे और मेरे अभिभावक नहीं बनेंगे। अगर तुम्हें ये करना है तो तुम खुद ही करो। हालांकि साक्षात्कार में कंगना ने अपने पिता को असली हीरो भी बताया और कहा, उन्होंने दुनिया की सच्चाई के बारे में सिखाया। अगर मैंने अपने जीवन पर नियंत्रण नहीं किया होता तो मैं यहां तक नहीं पहुंच पाती। कंगना ने उस वाक्ये का भी जिक्र किया जब उन्होंने अपने पिता से एक्टिंग में करियर बनाने की बात कही थी। उन्होंने कहा, मेरी राइफल लाओ, मैं इसे गोली मार दूंगा। अभिनेत्री ने आगे कहा, हालांकि, मेरी सफलता ने मेरे पिता को भ्रमित कर दिया क्योंकि उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी। वह उम्मीद कर रहे थे कि मेरा तरीका काम नहीं करेगा, ऐसे में जब मैं सफल हो गई, राष्ट्रीय पुरस्कार और सब कुछ जीत लिया तो इससे उन्हें झटका लगा और अब उन्हें मुझ पर गर्व है।

बोल्डनेस में उर्फी जावेद को टक्कर देती हैं श्वेता शर्मा

एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपने लुक और कपड़ों को लेकर अक्सर खबरों में छाई रहती हैं। आए दिन उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। उर्फी रोज अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं और हर एक में उनका अंदाज अनोखा होता है। उर्फी के ही नक्शे कदम पर श्वेता शर्मा भी चल पड़ी हैं। जी हां, उनकी तस्वीरें देखकर तो ऐसा ही लगता है। श्वेता शर्मा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वह भोजपुरी सिनेमा का जाना-पहचाना नाम बन गई हैं, साथ ही सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में रहती हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर श्वेता शर्मा अपने बोल्ड लुक का लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। लोग उन्हें भोजपुरी की उर्फी जावेद भी कहते हैं। आपको बता दें कि श्वेता शर्मा ने रितेश पांडे के साथ %गजब करईहा% नाम के एल्बम से भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रखे थे। अपने पहले ही भोजपुरी गाने से श्वेता शर्मा खूब लोकप्रिय हो गई। श्वेता शर्मा सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। लुक और स्टाइल के मामले में वह भोजपुरी और बॉलीवुड एक्ट्रेस से कम नहीं हैं। श्वेता आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती नजर आती हैं। तस्वीरों में उनका लुक और अंदाज देखने लायक होता है। यही वजह है कि श्वेता की तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल होते हैं। श्वेता शर्मा की बोल्ड अदाएं उनके फैंस को खूब पसंद आती हैं।श्वेता शर्मा पर ट्रेडिशनल और वेस्टर्न हर तरह के परिधान खूब फबते हैं। श्वेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बिकिनी में भी खूब तस्वीरें पोस्ट की हुई हैं। श्वेता का हर अंदाज यूजर्स को खूब पसंद आता है। सोशल मीडिया पर श्वेता की काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है और यूजर्स उनकी फिटनेस, खूबसूरती और

सौंफ का पानी यूं पीकर घटाएं वजन, मिलेंगे कई और फायदे

भारतीय रसोई में सौंफ का इस्तेमाल खाने में स्वाद बनाने के लिए किया जाता है। वहीं कुछ लोग खाने के बाद सौंफ खाना पसंद करते हैं, ताकि भोजन डाइजेस्ट हो जाए। वहीं आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर सौंफ का पानी वजन घटाने में भी मददगार होता है। चलिए आपको बताते हैं सौंफ के पानी के कुछ फायदे और बनाने का तरीका।

सौंफ के गुणः 100 ग्राम सौंफ में 31 कैलोरी, 2प्रतिशत सोडियम, 11 प्रतिशत पोटेशियम, 2 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट, 12 प्रतिशत डाइटरी फाइबर, 2 प्रतिशत प्रोटीन, 2 प्रतिशत विटामिन ए, 20 प्रतिशत विटामिन सी, 4 प्रतिशत कैल्शियम, 3प्रतिशत आयरन, 1प्रतिशत विटामिन बी-6 और 4 प्रतिशत मैग्नीशियम होता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट और इंफ्लामेट्री जैसे गुण भी होते हैं, जो हेल्थ और ब्यूटी प्रॉब्लम्स को दूर करने में मदद करते हैं।

सौंफ पानी तैयार करने का तरीकाः सौंफ का पानी तैयार करने के लिए पहले एक गिलास पानी लेकर उसमें सौंफ डालकर रातभर के लिए ऐसे ही रखा रहने दें। फिर सुबह उठकर इस पानी से सौंफ को छानकर अलग कर लें और फिर इस पानी का सेवन करें।

भूख को कम करता हैः सौंफ के पानी में डाइटरी फाइबर होता है, जो भूख को कंट्रोल करता है। साथ ही इसमें एंटीस्पाज्मोडिक नामक तत्व पेट की मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

बॉडी को करे डिटॉक्सः सौंफ के पानी में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो शरीर के विषैले टॉक्सिंस बाहर निकालने में मदद करते हैं। इससे फैट भी कम होता है, जिससे वजन कम होता है।

मेटाबॉल्जिम को बूस्ट करता हैः सौंफ का पानी मेटाबॉलिक रेट को बूस्ट करता है, जिससे एक्स्ट्रा फैट बर्न होता है। साथ ही यह कैलोरी और फैट को एनर्जी में बदल देता है, जिससे वजन कम करने में काफी मदद मिलती है।

सौंफ का पानी पीने के अन्य फायदे

अच्छी नींदः स्वस्थ रहने के लिए 7-8 घंटे की नींद लेना बहुत जरुरी होता है। जब आप सौंफ के पानी का सेवन करते हैं तो मेलाटोनिन का लेवल बढ़ता है, जिससे पर्याप्त नींद लेने में मदद मिलती है।

कब्ज से राहतः पेट संबंधी कोई न कोई प्रॉबल्म होना आम है। ऐसे में दवाइयों का सेवन करने के बजाए सौंफ का पानी पीकर देखे, इससे पेट दर्द, कब्ज, पाचन संबंधी अन्य कई प्रॉबल्म दूर हो जाती हैं।

कैंसर से बचावः सौंफ के पानी में ऐसे एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने की क्षमता देते हैं। यह ब्रैस्ट, लंग्स या अन्य तरह के कैंसर से बचाव करता है।

ब्लड प्रैशर को करे कंट्रोलः सौंफ का पानी ब्लड प्रैशर को कंट्रोल में करने में भी मदद करता है। इसमें पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिससे ब्लड प्रैशर कंट्रोल में रहता है।

पीरियड्स दर्द से छुटकाराः पीरियड्स के दौरान पेट में दर्द और हॉर्मोन्स इनबैलेंस होने की दिक्कत रहती है लेकिन सौंफ का पानी पीने से आपको पीरियड्स के दौरान वाली समस्याओं से भी छुटकारा मिल जाता है।

खून की कमीः सौंफ के पानी में आयरन की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे रोज पीने से शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ जाता है और शरीर में एनीमिया की कमी पूरी हो जाती है।

कई गुणों से भरपूर है अदरक-नींबू की चाय

बहुत से घरों में सुबह की शुरूआत चाय के साथ ही होती है। माना जाता है कि चाय सेहत के लिए अच्छी नहीं होती, पर यह पूरी तरह सच नहीं है। अदरक-नींबू की चाय सेहत को कई तरह के लाभ प्रदान करती है तो चलिए जानते हैं अदरक-नींबू की चाय से होने वाले कुछ बेहतरीन फायदों के बारे में-

कम करे वजनः अदरक-नींबू की चाय का सेवन करने का एक लाभ यह है कि यह बढ़ते वजन पर लगाम लगाता है। दरअसल, जब आप इसका सेवन करते हैं तो अदरक के कारण आपको अतिरिक्त भूख नहीं लगती, वहीं दूसरी ओर, नींबू इंसुलिन प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ शरीर में फैट की मात्रा को भी कम करता है। इन दोनों का एक साथ सेवन करने पर व्यक्ति को मेलाबॉलिज्म बेहतर तरीके से काम करता है, जिससे वजन कम करने में सहायता मिलती है।

दौड़ने लगेगा दिमागः अगर आप अपने दिमाग की कार्यक्षमता में वृद्धि करना चाहते हैं तो भी अदरक-नींबू की चाय आपके लिए फायदेमंद होगी। इसमें एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। साथ ही इसके सेवन से याददाश्त मजबूत होती है और अल्जाइमर का खतरा भी कम होता है।

लड़े बीमारियों सेः कुछ लोगों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता इतनी कमजोर होती है कि वह बहुत जल्द बीमार पड़ते है। लेकिन अगर आप नींबू-अदरक की चाय को अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो यकीनन आपको बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलेगी। दरअसल, नींबू में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। साथ ही नींबू और अदरक दोनों संक्रमण से लड़ने में काफी प्रभावशाली होते हैं। इसलिए यह आपको कई तरह के संक्रमण से बचाते हैं।

बिना दर्द व साइड इफैक्ट के अंडरआर्म्स के बालों से पाएं छुटकारा

गर्मियों में लड़कियों को स्लीवड्रेस पहनने के लिए सबसे बड़ी दिक्कत अंडरआर्म्स के अनचाहे बालों की होती है। हालांकि इसे हटाने के लिए लड़कियां पार्लर में वैक्सिंग करवाती है। वहीं कुछ लड़कियां इसके लिए हेयर रिमूवल क्रीम का इस्तेमाल करती हैं लेकिन इससे कुछ ही दिनों में दोबारा बाल आ जाते हैं। ऐसे में इसकी बजाए आप कुछ घरेलू नुस्खों से घर पर भी अंडरआर्म्स के अनचाहे बालों से छुटकारा पा सकती हैं। इससे आपको दर्द भी कम होगा और आपके पैसे भी बच जाएंगे।

चीनी और नींबू का रसः 1 कप चीनी, 1/4 कप शहद और 2 टेबलस्पून नींबू का रस मिलाकर 2 मिनट तक माइक्रोवेव में गर्म करें। फिर इसे अंडरआर्म्स के अनचाहे बालों पर लगाकर अच्छी तरह रब करें और 20-30 सेकेंड के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे गर्म पानी से साफ कर लें। इससे आपको अनचाहे बालों से छुटकारा मिल जाएगा।

एग व्हाइट एंड कॉर्नस्टार्चः बाउल में 1 एंह व्हाइट में 1/2 टेबलस्पून कॉर्नस्टार्च और 1 टेबलस्पून शुगर डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। इसे अंडरआर्म्स में अप्लाई करके रब करें और कुछ देर के लिए छोड़ दें। फिर पीलऑफ मास्क की तरह इसे तेजी से निकाल लें। इससे बाल भी निकल जाएंगे और कोई साइड इफैक्ट भी नहीं होगा।

दूध और हल्दीः इसके लिए 3 टीस्पून हल्दी और 1 टेबलस्पून दूध को मिक्स करके गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट की पतली परत अंडरआर्म्स पर लगाएं और 20-30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब एक तौलिए को गर्म पानी में डालकर निचौड़ें और इससे अंडरआर्म्स को अच्छी तरह साफ करें।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित। RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।